दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिण् पारत् राष्ट्रमत् | तिनचरि ह़िन्ति नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री की मां पर टिप्पणी देश की मां-बहनों का अपमान : बृजभूषण

6 मेजर आशीष धौंचक : जांबाज का बलिदान, नहीं भूलेगा हिंदुस्तान

7 'तुम सिर्फ दोस्त नहीं, परिवार हो': शिवांगी जोशी

फर्स्ट टेक

इजराइल का सना पर हवाई हमला, हुती प्रधानमंत्री की मौत

काहिरा/एपी। ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों ने शनिवार का पुष्टि की कि यमन की राजधानी सना में इजराइली हवाई हमले में विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री की मौत हो गई। विद्रोहियों ने एक बयान में कहा कि अहमद अल-रहावी बृहस्पतिवार को सना में हुए हमले में मारे गए। उनके सरकार के कई मंत्री भी हताहत हुए हैं। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने ''यमन के सना क्षेत्र में हुती आतंकवादी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया''।

इंडोनेशिया के क्षेत्रीय संसद भवन में भीड़ ने आग लगाई

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की एक प्रांतीय राजधानी में गुस्साई भीड़ ने स्थानीय संसद भवन में आग लगा दी, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य झुलस गए। दक्षिण सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सर में शुक्रवार देर रात आग लगा दी गई। टेलीविजन पर खबरों में दिखाया गया कि प्रांतीय परिषद की इमारत रात भर जलती रही। स्थानीय आपदा अधिकारी फदली ताहर ने बताया कि बचावकर्मियों ने शनिवार सुबह तक तीन शव बरामद किए, जबकि इमारत से कूदने के बाद पांच लोगों को जलने या हड्डियां टूटने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिमी जावा के बांडुंग शहर में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को एक क्षेत्रीय संसद को भी आग के हवाले कर दिया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

रूस ने दक्षिणी यूक्रेन में ड्रोन और मिसाइल से हमले किए, एक की मौत

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को दक्षिणी यूक्रेन में बड़े पैमाने ड्रोन और मिसाइल से हमले किये, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे दो दिन पहले मध्य कीव पर रूस के हवाई हमले में 23 लोग मारे गए थे और यूरोपीय संघ के राजनयिक कार्यालयों को नुकसान पहुंचा था। गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि झापोरिज्झिया क्षेत्र में शुक्रवार रात को हुए हमले में कम से कम एक नागरिक की मौत हो गई और बच्चों सहित 28 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि रूस ने एक पांच मंजिला आवासीय इमारत को निशाना बनाया। यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक, रूस ने शुक्रवार की रात 537 हमलावर ड्रोन और 45 मिसाइलें दागीं। उसने बताया कि 510 ड्रोन और और 38 मिसाइलों को निष्क्रिय कर दिया गया।

सूर्यास्त	सूर्योदय
31-08-2025 6:20 बजे	01-09-2025 5:57 बजे

BSE	NSE
79,809.65 (-270.92)	24,426.85 (-74.05)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	131,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तारीखी फैसले

हम इतने बेबस हुए देख,
दिल से बस निकले चीख सदा।
अपना हक लगने लगा हमें,
ज्यों मांग रहे हों भीख सदा।
अंधा कानून हमें देता,
इस लोकतंत्र में सीख सदा।
ना मिले फैसला कभी मगर,
देता सबको तारीख सदा।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन और जापान की चार दिन की यात्रा के दूसरे पड़ाव में शनिवार शाम चीन के शहर तियांजिन पहुंच गये जहां वह शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। तियांजिन पहुंचने पर मोदी का हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, चीन के तियांजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में चर्चा और विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ मिलने के लिए उत्सुक हूं। मोदी की पिछले सात वर्षों में यह पहली चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पिछले एक वर्ष में दूसरी मुलाकात होगी।

एम ए सलीम कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर एम ए सलीम को राज्य का पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक (डीजी और आईजीपी) और पुलिस बल का प्रमुख (एचओपीएफ) नियुक्त किया। इस वर्ष मई में आलोक मोहन के सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक का कार्यभार सौंपा गया था। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि एम. ए. सलीम, आईपीएस (कर्नाटक: 1993), पुलिस महानिदेशक, अपराध जांच विभाग, विशेष इकाइयां और आर्थिक अपराध, बेंगलूरु को पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (पुलिस बल के प्रमुख), कर्नाटक के पद पर नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सलीम ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 26 विभिन्न पदों पर कार्य किया है, जिनमें से नवीनतम पद पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) का है।

भारत के राज्यों और जापानी प्रांतों के बीच सहयोग बढाना समय की जरूरत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां जापान के विभिन्न प्रांतों के गवर्नरों के साथ मुलाकात की और कहा कि दोनों देशों के संबंधों का विस्तार अब उनके राज्यों तथा प्रांतों के बीच भी किये जाने की जरूरत है जिससे वे विकास यात्रा में साझीदार बन सकें। जापान यात्रा के दूसरे दिन श्री मोदी ने यहां जापान के 16 प्रांतों के गवर्नरों के साथ विस्तार से बातचीत की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जापान के मियागी प्रांत के सेंडाई में स्थित एक सेमीकंडक्टर संयंत्र टोक्यो इलेक्ट्रॉन मियागी लिमिटेड (टीईएल मियागी) का दौरा किया।

बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि भारत के राज्यों और जापान के प्रान्तों के बीच सहयोग भारत-जापान मैत्री का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, आज सुबह टोक्यो में, जापान के 16 प्रान्तों के गवर्नरों के साथ बातचीत की। राज्य-प्रान्त सहयोग भारत-जापान मैत्री का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यही कारण है कि कल 15वें वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन के दौरान इस पर एक अलग पहल शुरू की गई। व्यापार, नवाचार, उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएँ हैं। स्टार्टअप, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी लाभकारी हो सकते हैं।

गवर्नरों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा भारत-जापान के समकालीन संबंध दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों से शक्ति प्राप्त करते हुए निरंतर फल-फूल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा

यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है भारत

तियानजिन(चीन)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को फोन पर बातचीत के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत सभी प्रयासों का समर्थन करता है। जेलेंस्की ने मोदी को फोन किया और रूस के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के लिए अपनी तत्परता से अवगत कराया तथा कहा कि युद्ध की समाप्ति तत्काल युद्ध विराम के साथ होनी चाहिए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने और रूस को उपयुक्त संकेत देने के लिए तैयार है। जेलेंस्की ने मोदी को 18 अगस्त को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई अपनी बैठक के बारे में भी जानकारी दी। यह बैठक अलास्का में ट्रंप और पुतिन के बीच शिखर वार्ता के तीन दिन बाद हुई थी।

वहीं, मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज फोन पर बात करने के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की को धन्यवाद। हमने यूक्रेन संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत इस दिशा (संघर्ष के समाधान) में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।

गणेशोत्सव

गणेश उत्सव कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मुंबई पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास गए और बाद में उन्होंने अपने परिजनों के साथ प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणपति के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। बाद में वह बांद्रा पश्चिम में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल और अंधेरी पूर्व में श्री मोगरेश्वर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के पंडाल पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा वापस मिलेगा : आठवले

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा वापस मिल जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने हालांकि कोई समय-सीमा नहीं बताई लेकिन उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि यह जल्द ही होगा। आठवले ने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द अपना राज्य का दर्जा वापस मिल जाना चाहिए, और इसकी मांग भी हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए थे तब 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था, जो देश के कई अन्य राज्यों से ज्यादा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को इसके लिए धन्यवाद देता हूं क्योंकि उन्होंने डर के आगे घुटने नहीं टेके।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अस्तित्व और प्रगति के लिए जरूरी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आतंकवाद, महामारी और क्षेत्रीय संघर्षों के इस दौर में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल एक विकल्प नहीं बल्कि अस्तित्व , सुरक्षा, संप्रभुता और प्रगति का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत न केवल अपनी ज़रूरतें पूरी करेगा बल्कि दुनिया का एक विश्वसनीय साझेदार भी बनेगा। यह विज़न भारत को 21वीं सदी में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा।

सिंह ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि आत्मनिर्भरता संरक्षणवाद का नहीं बल्कि संप्रभुता और राष्ट्रीय स्वायत्तता से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि संघर्ष, व्यापार युद्ध और अस्थिरता के

कारण दुनिया भर में स्थिति निरंतर बदल रही हैं और भू-राजनीतिक बदलावों ने साबित कर दिया है कि रक्षा के लिए दूसरों पर निर्भरता अब कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का हमेशा से मानना रहा है कि आत्मनिर्भर भारत ही अपनी सामरिक स्वायत्तता की रक्षा कर सकता है।

रक्षा मंत्री ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि कई विकसित देश संरक्षणवादी उपायों का सहारा ले रहे हैं जिससे 'व्यापार युद्ध' और 'टैरिफ युद्ध' की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अलग तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि यह संरक्षणवाद नहीं है। यह संप्रभुता का मामला है। उन्होंने कहा, जब युवा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और संभावनाओं से भरपूर एक राष्ट्र आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता है तो विश्व रुककर उस पर ध्यान देता है। यही वह ताकत है जो भारत को वैश्विक दबावों का सामना करने तथा और भी अधिक मज़बूती से उभरने में सक्षम बनाती है।

सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि दूरदर्शिता, लंबी तैयारी और समन्वय के बिना कोई भी मिशन सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भले ही कुछ दिनों के युद्ध, भारत की जीत और पाकिस्तान की हार की कहानी लगे, लेकिन इसके पीछे वर्षों की रणनीतिक तैयारी और रक्षा तैयारियों की एक लंबी भूमिका रही है।

सभी के साथ अपनत्व का व्यवहार ही वास्तविक धर्म है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि वास्तविक धर्म सभी के साथ अपनत्व का व्यवहार करने और सभी विविधताओं को सौहार्दपूर्वक आगे बढ़ाने में निहित है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित 'लोकहितकारी काशीनाथ – स्मारिका विमोचन समारोह' में सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि आरएसएस की ताकत उन स्वयंसेवकों में निहित है जिन्होंने चुनौतियों के बावजूद संगठन का विस्तार किया है।

यह कार्यक्रम बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के सभागार में आयोजित किया गया था।

भागवत ने बिलासपुर में आरएसएस पदाधिकारी रहे स्वर्गीय काशीनाथ गोरे के जीवन और कार्यों पर केंद्रित एक स्मारिका का विमोचन किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, '' मैं जो कुछ भी कह रहा

> **हमारा कर्तव्य है कि हम इस स्मृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं जिससे यह प्रेरणा देती रहे। जब भी हमें प्रेरणा की आवश्यकता होती है, हम अपने पूर्वजों को याद करते हैं।**

हूं, या दूसरों ने (समारोह में) जो कुछ भी कहा, वह आज भोजन के बाद भुला दिया जा सकता है लेकिन काशीनाथ जी के कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा। हमारा कर्तव्य है कि हम इस स्मृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं जिससे यह प्रेरणा देती रहे। जब भी हमें प्रेरणा की आवश्यकता होती है, हम अपने पूर्वजों को याद करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''कुछ लोग पूर्वजों के स्मरण को निरर्थक मानते हैं। लेकिन ऐसे लोग भी जब उनका देश संकट का सामना करता है, तो वे समाज के सामूहिक साहस को जगाने के लिए अपने पूर्वजों को याद करते हैं।'' भागवत ने कहा कि वास्तविक 'धर्म' सभी को अपनेपन की दृष्टि से देखना और सभी विविधताओं को सामंजस्यपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाना है।

संगठन और समाज को मजबूत करने में स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भागवत ने कहा कि संघ में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी एक साधारण स्वयंसेवक की है।

यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भारत को अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को फिनलैंड की अपनी समकक्ष एलिना वाल्टोनन के साथ फोन पर बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भारत को ''अनुचित रूप से निशाना'' नहीं बनाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री की इस टिप्पणी को अमेरिका के उन आरोपों के संदर्भ में देखा जा रहा है कि भारत रियायती मूल्य पर रूसी कच्चा तेल खरीदकर मॉस्को की ''युद्ध मशीन'' की सहायता कर रहा है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारी चर्चा यूक्रेन संघर्ष और उसके परिणामों पर केंद्रित रही। इस संदर्भ में भारत को अनुचित तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया है।''

वैष्णव ने की इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के सारे कंपोनेंट देश में बनाने की अपील

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पहली तिमाही में देश के 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर हासिल करने पर खुशी जाहिर की और उद्योग जगत से इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के सभी कंपोनेंट भारत में ही बनाने की अपील की।

वैष्णव ने यहां इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी ऑप्टिमस के राइनोटेक टेंपर्ड ग्लास विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के मौके पर कहा, देश का जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। सारी दुनिया में जब उथल-पुथल है, अनिश्चितता का माहौल है, इस अनिश्चितता के माहौल में हिंदुस्तान एक स्थिर, जीवंत, बढ़ती हुई और नवाचारी उत्पाद बनाने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है।

मिस्र में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी, तीन की मौत और 94 घायल

काहिरा/एपी। पश्चिमी मिस्र में शनिवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 94 अन्य घायल हो गए। रेलवे के अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि देश के उत्तरी तट पर स्थित पश्चिमी भूमध्यसागरीय प्रांत मतरूह से काहिरा जा रही ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से दो पलट गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अलग बयान जारी कर हताहतों की संख्या का ब्योरा दिया तथा कहा कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 30 एम्बुलेंस भेजी गईं। बयान में कहा गया कि ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

चेन्नई | रविवार | 31-08-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहज स्मृति योग

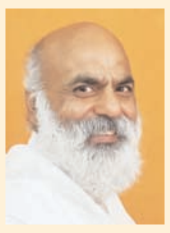

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न : गुरुजी, जितनी बार मैंने आपसे पूछा कि गुरु का मूल काम क्या है, हर बार आप कुछ अलग बता देते हैं ऐसे में भ्रमित कैसे न होऊँ? एक बार अंतिम बार और बता दीजिए कि गुरु का प्रथम और अंतिम दायित्व कौन सा है ?

उत्तर: आपको एक बार या पहली बार जो उत्तर मिल गया तो अनेक बार या बारम्बार पूछने की जरूरत क्यों पड़ती रहती है? क्या इसलिए नहीं कि आपकी आंतरिक यात्रा होती रहती है और यात्रा में पड़ाव भिन्न भिन्न आते ही हैं उनमें से कोई पड़ाव झूठ या दोयम नहीं है इसलिए आपको वर्तमान पड़ाव का विवरण चाहिए होता है। इसलिए जब आप जिस पड़ाव की ओर उन्मुख और निकट होते हैं वही उत्तर आपको मिलता है। प्रश्न के यथार्थ होने पर सारे ही उत्तर सदा यथार्थ होते हैं। क्योंकि यथार्थ (रियलिटी) स्वयं हो समाधान है। उसमें समाधान ही समाधान हैं सर्वत्र। रही बात भ्रमित होने की तो पंडित लोग विनोद भाव में हमारे 'भ्रमण' करने को ही हमारा 'भ्रमित' होना कहते हैं। यह भ्रमण या भ्रमित होना गुरु गृह पर सम-आप्त/पूरा होता है ।गुरु का प्रथम और अंतिम दायित्व हमें अपने परम आत्म स्वरूप का दर्शन, स्मरण, बोध (आत्मानाम् सृजाम्यहम्) कराना है।

बड़े स्थानीय बाजार की बदौलत भारतीय उद्योग जगत सहज स्थिति में: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारतीय उद्योग जगत 1.4 अरब लोगों के घरेलू बाजार के कारण ''आरामदायक, सहज स्थिति'' में है और उन्हें वैश्विक स्तर पर अवसर तलाशने की जरूरत है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर गहरी चिंताओं के बीच गोयल ने यह टिप्पणी की। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत से किसी भी ''नकारात्मक दलील'' से प्रभावित न होने को कहा और याद दिलाया कि जून में देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है।

गोयल ने भरोसा जताया कि इस साल कुल निर्यात बढ़ेगा और यह भी बताया कि अमेरिका को होने वाले 87 अरब डॉलर के निर्यात में 46 अरब डॉलर से ज्यादा पर शुल्क बढ़ाने का कोई असर नहीं है। गोयल ने कहा कि शुक्रवार को आए वृद्धि दर के आंकड़ों ने सरकार में किसी को भी आश्चर्यचकित नहीं किया। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, अर्थशास्त्रियों और मीडिया के कुछ वर्गों जैसे नकारात्मक और निराशावादियों के लिए एक ''जोरदार जवाब'' है। गोयल ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई वीडियोज को बताया, भारत लचीलेपन और आत्मविश्वास से भरा है और अगले 22 वर्षों तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए उत्सुक है। भारत आगे भी इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा। हमारा निर्यात बढ़ता रहेगा, हम इस साल पिछले साल से ज्यादा निर्यात करेंगे और भविष्य बेहद उज्ज्वल है। उद्योग निकाय सीआईआई के कार्यक्रम 'भारत-यूएई व्यापार संवाद' में गोयल ने स्वीकार किया कि घरेलू बाजार विकास के सबसे बड़े चालकों में से एक है और उन्होंने उद्योग की भूमिका पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे अक्सर लगता है कि 1.4 अरब का विशाल घरेलू बाजार एक तरह से आरामदायक क्षेत्र बन गया है। हमारे व्यवसाय यहां अच्छा मुनाफा कमाते हैं और दुनिया भर में अवसरों की तलाश में बाहर नहीं निकलते।

गोयल ने कहा कि भारतीय उद्योग बहुत कम मूल्यवर्धन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यवसायों और लोगों, दोनों पर भरोसा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ मिलकर किसी भी बाधा का समाधान करने के लिए तैयार है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी, रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन से 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। पिछले एक पखवाड़े से कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के बाद जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए जूझ रहे जम्मू-कश्मीर के रियासी और रामबन जिलों में दूरदराज के गांवों में भारी बारिश के कारण बादल फटने और भूस्खलन की दो घटनाओं में एक ही परिवार के सात सदस्यों सहित कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई।

केंद्र शासित प्रदेश में 14 अगस्त से बादल फटने और भूस्खलन की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें जम्मू में 130 लोगों की जान चली गई है और 140 लोग घायल हो गए हैं, जबकि 32 तीर्थयात्री अब भी लापता हैं। रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा शनिवार को पांचवें दिन भी स्थगित रही। कटरा से मंदिर तक के 12 किलोमीटर लंबे घुमावदार रास्ते में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों को स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखने और जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को समय पर निकालने का निर्देश दिया है। जम्मू क्षेत्र में इस सप्ताह की शुरुआत में हुई रिकॉर्ड बारिश ने भारी तबाही मचाई है, सैकड़ों संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है और दर्जनों सड़कें एवं पुल बह गए हैं, जिससे प्रमुख राजमार्गों पर यातायात बाधित हो गया और रेल यातायात लगभग ठप हो गया।

संसद में व्यवधान सांसदों के लिए नुकसानदेह है, सरकार के लिए नहीं : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि अगर किसी पार्टी का नेता बहस या चर्चा में दिलचस्पी नहीं दिखाता है और इसके बजाय हंगामा और राजनीतिक नौटंकी करता है, तो उस पर दबाव बनाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे अंततः संसद सदस्यों को नुकसान होता है।

रीजीजू ने युवा सांसदों को सदन की कार्यवाही बाधित करने के अपने नेताओं के आदेशों का विरोध करने की भी सलाह दी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 'संसदीय प्रणाली' विषय पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए रीजीजू ने कहा, अगर किसी पार्टी का नेता बहस या चर्चा में दिलचस्पी नहीं दिखाता है और कोई विमर्श गढ़ने के लिए हंगामा और राजनीतिक नौटंकी करता है, तो उस पर दबाव बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद में व्यवधान से सांसदों को नुकसान होता है, न कि सरकार को, जिसके पास बहुमत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब भी जरूरत होगी, सरकार अपने विधेयकों को आगे बढ़ाएगी, लेकिन नुकसान सांसदों, खासकर विपक्षी सांसदों का होगा। उन्होंने संसद के हाल ही में संपन्न मानसून सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि तीन हफ्ते तक वे विपक्षी दलों से चर्चा में शामिल होने का आग्रह करते रहे। रीजीजू ने कहा, कार्यसूची हर सुबह आती है। चर्चा के विषय तय होते हैं, समय तय होता है, लेकिन विपक्षी दल अपने नेता की मंशा के अनुसार चलता है और सदन बाधित हो जाता है। इसलिए मैं उनसे कहना चाहूंगा कि कृपया इस बारे में सोचें और चर्चा में हिस्सा लें।

सरकार अमेरिकी शुल्क से निर्यातकों को बचाने के लिए लगातार काम कर रही: सीईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार, अमेरिका के अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क से निर्यात क्षेत्रों को बचाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर लगातार काम कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने शनिवार को यह बात कही। अमेरिका ने 27 अगस्त से अपने यहां आने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है।

नागेश्वरन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संकट चाहे छोटा हो या बड़ा, अक्सर उत्प्रेरक का काम करता है। इससे सरकार, निजी क्षेत्र और परिवार सहित समाज-व्यवस्था के सभी वर्ग जरूरी कार्रवाई करने के लिए सक्रिय होते हैं। उन्होंने कहा कि शुल्क लागू होने के बाद ''पिछले तीन-चार दिनों से विभिन्न निर्यात और प्रतिनिधि निकायों, निजी क्षेत्र की निर्यात संवर्धन एजेंसियों और मंत्रालयों के साथ बातचीत चल रही है। नागेश्वरन ने आईसीसी के एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न मंत्रालय और वित्त मंत्रालय एक रणनीति तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कवायद का मुख्य लक्ष्य प्रभावित निर्यात क्षेत्रों और इकाइयों को वित्तीय सहायता के साथ ही अन्य सुविधाएं देना है। इस सहायता से उन्हें मौजूदा संकट का सामना करने और इससे मजबूती के साथ उबरने में मदद मिलेगी। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि वह सरकार की योजना के बारे में अधिक जानकारी देने की स्थिति में नहीं हैं। नागेश्वरन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उच्च वृद्धि दर आगामी तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

आरक्षण मुद्दे के समाधान के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता है: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के फिर से शुरू होने के बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन आवश्यक है, क्योंकि कुल आरक्षण की एक सीमा है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत मराठा खेती पर निर्भर हैं लेकिन केवल कृषि ही उनका भविष्य सुरक्षित नहीं कर सकती, इसलिए आरक्षण ही एकमात्र विकल्प है।

पवार ने यहां एक समारोह में कहा कि वह अन्य सांसदों के साथ संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता पर चर्चा कर रहे हैं।

पवार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण को लेकर 52 प्रतिशत की सीमा तय की है, लेकिन तमिलनाडु में 72 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केंद्र की भूमिका पारदर्शी और स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश को एक समान नीति की आवश्यकता है ताकि समाज में कोई कटुता नहीं रहे। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने ओबीसी कोटे में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार को मुंबई में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया।

जम्मू में फंसे यात्रियों को ले जाने के लिए विशेष ट्रेन चलाई जाएंगी, 46 ट्रेन रद्द

जम्मू/भाषा। उत्तर रेलवे फंसे हुए यात्रियों को ले जाने के लिए शनिवार को जम्मू स्टेशन से आगे के गंतव्यों के लिए दो विशेष ट्रेन चलाएगा, जबकि जम्मू, कटरा और उधमपुर रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 46 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेलवे पुलिस और नागरिक प्रशासन ने फंसे यात्रियों की सहायता के लिए जम्मू रेलवे स्टेशन पर एक समर्पित सहायता डेस्क स्थापित की है।

जम्मू संभाग में रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, फंसे हुए यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए, रेलवे ने आज जम्मू से दो आरक्षित विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि पहली ट्रेन (जम्मू तवी से डॉ. अंबेडकर नगर के लिए आरक्षित विशेष ट्रेन) दोपहर तीन बजे रवाना होगी, जबकि दूसरी ट्रेन (जम्मू तवी-छपरा आरक्षित विशेष ट्रेन) शाम पांच बजे रवाना होगी। पहली ट्रेन में 700 आरक्षित सीट खाली हैं, जबकि दूसरी में 900 आरक्षित सीट खाली हैं। इससे पहले बृहस्पतिवार को उत्तर रेलवे ने जम्मू स्टेशन से दो विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाईं, जिनसे केंद्र शासित प्रदेश में अभूतपूर्व मानसून के कहर के बाद फंसे लगभग 3,000 यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।

देश में किफायती घरों की कमी ने बढ़ाई चिंता, मांग के मुकाबले एक तिहाई आपूर्तिः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के शहरी क्षेत्रों में किफायती घरों की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में किफायती मकानों की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन उन्हें बनाने की रफ्तार बहुत धीमी हो गई है, जिससे इस क्षेत्र में एक बड़ा असंतुलन पैदा हो गया है।

रियल एस्टेट की परामर्शदाता कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया और नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) की एक रिपोर्ट में बताया गया कि देश के आठ बड़े शहरों (मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद) में हालात चिंताजनक हैं। पहले 2019 में जहां हर एक घर की मांग पर एक से ज्यादा घर बन रहे थे, वहीं 2025 की पहली छमाही (जून तक) में यह आंकड़ा गिरकर 0.36 रह गया है। इसका मतलब है कि मांग के मुकाबले सिर्फ एक-तिहाई घर ही बन रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि देश में शहरी किफायती घरों की वर्तमान कमी 94 लाख इकाई है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण 2030 तक यह कमी बढ़कर तीन करोड़ इकाई तक पहुंच सकती है।

नारेडको के अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि नाइट फ्रैंक और नारेडको की रिपोर्ट से भारत में सस्ते मकानों की कमी की समस्या एक बार फिर सामने आई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में 94 लाख मकानों की कमी है, जो 2030 तक बढ़कर तीन करोड़ हो सकती है।

राज्य स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत शहरों में 'दृश्यमान स्वच्छता' को प्राथमिकता दें : केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत शहरों में 'दिखाई पड़ने वाली स्वच्छता' को प्राथमिकता देने और स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) के कायाकल्प में तेजी लाने का निर्देश दिया है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक में मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि पुराने कचरा डंपिग स्थलों सहित उपेक्षित एवं जटिल स्थानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और एक निश्चित समय सीमा के भीतर उनका कायाकल्प किया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, बैठक में मनोहर लाल ने कहा कि स्वच्छता और शहरी विकास एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने जोर दिया कि शहरी कायाकल्प के लिए सीटीयू को बदलाव के इंजन के रूप में काम करना चाहिए। मंत्रालय ने बताया 2024 में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के दौरान आठ लाख से अधिक सीटीयू का कायाकल्प किया गया।

वाहन, पेट्रोलियम उद्योग ने कहा, ई20 ईंधन से माइलेज में मामूली कमी, लेकिन देश को फायदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गाड़ियों में 20 प्रतिशत एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई20) के इस्तेमाल से ईंधन दक्षता में दो-चार प्रतिशत की मामूली गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे देश को होने वाला कुल लाभ, ग्राहकों द्वारा ईंधन पर किए गए अतिरिक्त खर्च से कहीं ज्यादा है। वाहन और पेट्रोलियम उद्योग के अधिकारियों और परीक्षण एजेंसी ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने शनिवार को यह बात कही।

वाहन उद्योग की संस्था सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि ई20 ईंधन के इस्तेमाल को लेकर बीमा और वारंटी से जुड़ी चिंताएं गलत हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वाहन बनाने वाली कंपनियां बिना किसी शर्त के वारंटी का सम्मान करेंगी। सियाम के कार्यकारी निदेशक पी के बनर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम मानते हैं कि इस ईंधन की प्रकृति के कारण माइलेज में थोड़ी कमी आती है, लेकिन इससे देश, समाज, किसानों, पर्यावरण, सरकारी खजाने और हम सभी को बहुत बड़ा लाभ होता है। बनर्जी ने ग्राहकों के उन दावों को खारिज कर दिया कि ईंधन दक्षता में 20 से 50 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, यह सब एक गलत सूचना फैलाने का अभियान है। विभिन्न परीक्षणों के परिणामों का हवाला देते हुए बनर्जी ने कहा, हमने जिन भी गाड़ियों का परीक्षण किया, उनमें (माइलेज में कमी की) सीमा दो से चार प्रतिशत पाई गई।

जम्मू-कश्मीर हमेशा से प्राकृतिक सुंदरता का मूल प्रतीक रहा है: उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन का मूल प्रतीक रहा है, जबकि कई क्षेत्र अब आकर्षक नारों के साथ अपना प्रचार करने में जुटे हैं।

शुक्रवार शाम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में एचडीएफसी बैंक के वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए उमर ने संस्थान की प्रगति, लचीलेपन और केंद्र-शासित प्रदेश के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की सराहना की। केंद्र शासित प्रदेश की पर्यटन विरासत पर प्रकाश डालते हुए अब्दुल्ला ने सदियों पहले लाल किले की दीवारों पर कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले ऐतिहासिक वर्णन को याद किया। उमर ने आगंतुकों से जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के अलावा और भी जगहों पर घूमने-फिरने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि आगंतुकों का यह अनुभव उन्हें अपने परिजनों और दोस्तों के साथ बार-बार जम्मू-कश्मीर आने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

अमेरिकी शुल्कों से निपटने की तैयारी कर रहा वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय भारत से अमेरिका जाने वाले सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क से निपटने में निर्यातकों की मदद करने के लिए अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक कार्य योजनाओं पर काम कर रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कई विशेष आर्थिक क्षेत्र की नीतियों में लचीलापन लाने वाले नियमों पर भी विचार किया जा रहा है। सरकार ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए केंद्र शुरू कर रही है। इन केंद्रों में सामान वापस भेजने, राज्यों के बीच आवाजाही और जीएसटी रिफंड की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा।

अधिकारी ने यह भी बताया कि एक नया इन्वेंट्री मॉडल भी लाया जाएगा। यह मॉडल तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियमों का पालन करने और सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने का काम संभालने की अनुमति देगा।

आंध्र प्रदेश की प्रत्येक कृषि भूमि की सिंचाई सुनिश्चित करेंगे : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परमसमुद्रम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कुप्पम शाखा नहर में कृष्णा नदी का पानी पहुंचने पर 'जल आरती' की और राज्य में हर एकड़ भूमि तक पानी पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने लोगों से विकास के लिए इस जल पूरा उपयोग करने का आग्रह किया।

नायडू ने परमसमुद्रम गांव में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हर एकड़ और हर व्यक्ति को पानी उपलब्ध कराना मेरी ज़िम्मेदारी है और इसका उपयोग करके विकास करना आपका कर्तव्य है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?...जल ही जीवन है, जब पानी आएगा तो चीजें बदल जाएंगी। उन्होंने हालांकि किसानों को धान की फसल के बजाय नकदी फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

श्रीशैलम से कृष्णा नदी का पानी कुप्पम शाखा नहर में लाने पर खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने इस आयोजन की तुलना कुछ वर्ष पहले कुप्पम में आने वाले कृष्णा पुष्करम (कुंभ मेले जैसी तीर्थयात्रा) से की। नायडू ने कृष्णा नदी के पानी को कुप्पम शाखा नहर तक पहुंचाने में इंजीनियरिंग को रेखांकित किया। इस परियोजना के तहत कृष्णा नदी का पानी 738 किलोमीटर दूर और 700 मीटर की ऊंचाई स्थित कुप्पम तक पहुंचाया गया है। तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष ने रायलसीमा में पहले की शुष्क परिस्थितियों को याद करते हुए कहा कि मवेशियों को बचाने के लिए ट्रेन से पानी लाना पड़ता था, जिससे उन्हें बदलाव लाने की प्रेरणा मिली।

सरकार के सुधारों, वित्तीय अनुशासन से जीडीपी 7.8 प्रतिशत पर पहुंचीः भारतीय उद्योग जगत

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% की जीडीपी वृद्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए सुधारों और वित्तीय अनुशासन का परिणाम है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने भरोसा जताया कि मजबूत घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्कों जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकती है और वृद्धि के रास्ते पर बनी रहेगी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8% की दर से बढ़ी, जो पिछले 5 तिमाहियों में सबसे अधिक है। इस अवधि में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 5.2% रही। इस तरह भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा, भारत की विकास गाथा भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित ताकत, सरकारी खर्च में बढ़ोतरी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के बेहतरीन प्रदर्शन और लगातार किए जा रहे सुधारों को दर्शाती है।

अगर आप लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो इस्तीफा दें: आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और कालकाजी से विधायक आतिशी ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर कालकाजी मंदिर में एक सेवादार की हत्या के मामले का जिक्र किया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के शासन में राष्ट्रीय राजधानी अपराध, जबरन वसूली और गैंगवार की राजधानी बन गई है। आतिशी के बयान पर भाजपा या दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

आतिशी ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि दिल्लीवासी अब अपने घरों, बाजारों या यहां तक कि पूजा स्थलों में भी सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। उन्होंने शुक्रवार की घटना का जिक्र किया, जिसमें 35 वर्षीय सेवादार योगेन्द्र सिंह की कथित तौर पर एक विवाद के बाद कुछ लोगों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। आतिशी ने कहा कि यह हत्या ''एक अकेला मामला नहीं है, बल्कि राजधानी में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का सबूत है।

सीतारमण ने जीएसटी, आर्थिक सुधारों पर डीएमके के झूठे अभियान का जवाब देने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु भाजपा से जीएसटी और आर्थिक सुधारों पर डीएमके के झूठे अभियान का जवाब आंकड़ों से देने का आह्वान किया। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार वित्त मंत्री ने पार्टी सदस्यों से लोगों तक पहुंचने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आर्थिक उपलब्धियों की सही तस्वीर पेश करने को कहा।

सीतारमण ने राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों और पदाधिकारियों के साथ लगभग आधे घंटे की बातचीत के दौरान जीएसटी ढांचे में ढील से भारतीय उपभोक्ताओं को होने वाले लाभ को बारे में बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बदलाव से मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को दो स्तरीय प्रणाली में सरल बनाया जाएगा और इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, क्योंकि 12 प्रतिशत की स्लैब को घटाकर पांच प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

उन्होंने इस मौके पर भारत की अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि का भी उल्लेख किया।

निर्मला सीतारमण ने चेन्नई में दिवंगत राज्यपाल ला गणेशन के परिवार के सदस्यों से भेंट की, श्रद्धांजलि दी

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नगालैंड के दिवंगत राज्यपाल ला गणेशन के परिवार के सदस्यों से शनिवार को मुलाकात की। गणेशन का हाल में निधन हो गया था। चेन्नई की यात्रा पर पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री गणेशन के घर गयीं तथा उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीतारमण ने दिवंगत नेता के परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी देर बातचीत की। केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंथिरन और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता थे।

नागेंथिरन ने बताया कि बाद में, सीतारमण ने यहां एक होटल में भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों की बैठक में भाग लिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर

लिखा, ''(मैंने) आईटीसी ग्रैंड चोला में भाजपा तमिलनाडु की बैठक में भाग लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा तमिलनाडु समन्वय समिति के संयोजक एच राजा, राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन बैठक में मौजूद थे।'' उन्होंने बैठक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं।

तमिलनाडु में कुछ ताकतों ने जी.के. मूपनार को प्रधानमंत्री बनने से रोका : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कुछ ताकतों ने तमिल मनीला कांग्रेस के संस्थापक एवं दिवंगत नेता जी. के. मूपनार को देश का प्रधानमंत्री बनने से रोक दिया था। वित्तमंत्री सीतारमण ने यह टिप्पणी मूपनार को उनकी 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद की। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि ये ताकतें, जो अक्सर तमिल, तमिल संस्कृति और तमिल भाषा को बढ़ावा देने की बात करती हैं, वही ताकतें हैं, जिन्होंने अवसर आने पर मूपनार को प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने से रोक दिया।

मूपनार की प्रशंसा करते हुए सीतारमण ने याद किया कि अपने कॉलेज के दिनों में, जब उनकी राजनीति में रुचि उभर रही थी, तब वे मूपनार को तमिलनाडु के एक व्यापक रूप से सम्मानित व्यक्ति के रूप में देखती थीं। उन्होंने कहा, मूपनार अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं और वह एक राष्ट्रवादी नेता थे। वह देशभर में एक सम्मानित नेता थे। उन्हें बिहार ही नहीं, हरियाणा और देश के कोने-कोने में जाना जाता था।'' सीतारमण ने शनिवार को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी, डीएमडीके कोषाध्यक्ष सुधीश, भाजपा नेता नयनार नागेंथिरन, के अन्नामलाई सहित अन्य लोगों के साथ यहां तेनाम्पेट में मूपनार के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीतारमण ने आरोप लगाया, मूपनार का कद प्रभावशाली था। उन्हें जानने वाले लोग उनकी बातों का सम्मान करते थे और एकजुट होकर काम करते थे। हालांकि, जब उनके प्रधानमंत्री बनने का अवसर आया, तो कुछ ताकतों ने उन्हें रोक दिया। हम सभी जानते हैं कि वे कौन सी ताकतें थीं, जिन्होंने उन्हें प्रधानमंत्री बनने से रोका।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने निवेश आकर्षित करने के लिए यूरोप की यात्रा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्य में औद्योगिक निवेश सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को जर्मनी और ब्रिटेन की एक सप्ताह की यात्रा शुरू की। स्टालिन ने पत्रकारों से कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना और नए समझौतों पर हस्ताक्षर करना है। उन्होंने कहा कि वह आठ सितंबर को स्वदेश लौटेंगे।

स्टालिन ने पत्रकारों से कहा, 2021 में द्रमुक के सत्ता में आने के बाद से अब तक 10.62 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, 922 सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे 32.81 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश परियोजनाएं पूरी होने के चरण में हैं और कई कंपनियों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि निवेश के संबंध में किए गए समझौते फलीभूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) गठबंधन में नयी पार्टियां शामिल हों या नहीं हों, लेकिन नए मतदाता द्रमुक की ओर आ रहे हैं। बिहार में निर्वाचन आयोग पर लगे वोट चोरी के आरोपों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में इस संबंध में किसी भी साजिश को नाकाम करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग जो सोच रहा है, वह बिहार में नहीं होगा।''

स्टालिन ने केंद्र-राज्य संबंधों पर मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक दलों के नेताओं से विचार मांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर केंद्र-राज्य संबंधों पर उनकी सरकार द्वारा गठित एक समिति की प्रश्नावली पर उनके विचार मांगे। पत्र की एक प्रति मीडिया को साझा की गई है, जिसमें स्टालिन ने कहा कि लगातार संविधान संशोधनों के कारण केंद्रीय कानूनों और केंद्रीय नीतियों ने शक्तियों का नाजुक संतुलन धीरे-धीरे केंद्र सरकार के पक्ष में झुका दिया है।

उन्होंने पत्र में कहा, केंद्रीय स्तर पर बड़े मंत्रालय मौजूद हैं जो राज्य के कार्यों की नकल करते हैं और वित्त आयोग के अनुदानों से जुड़ी शर्तों, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए एक समान दिशा-निर्देशों, कार्य-दर-कार्य अनिवार्य अनुमोदनों और कार्यान्वयन के सूक्ष्म प्रबंधन के माध्यम से राज्य की प्राथमिकताओं को प्रभावित करते हैं या उन पर हुक्म चलाते हैं। उन्होंने कहा, आज हम एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। समय की मांग है कि इन घटनाक्रम का पुनर्मूल्यांकन किया जाए और भविष्य का एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाए जो सच्चे संघवाद को मजबूत करे।

केंद्र-राज्य संबंधों पर उनकी सरकार द्वारा गठित और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने कहा कि भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के. अशोक वर्धन शेट्टी और तमिलनाडु योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम. नागनाथन इस समिति के सदस्य हैं। उन्होंने मुख्यमंत्रियों और नेताओं से इस पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने तथा संबंधित विभागों को प्रश्नावली पर गौर करने तथा विस्तृत उत्तर के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया।

शपथ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के रायपेटा स्थित इंडियन बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस की शपथ लेकर राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 मनाया गया। बैंक के कार्यकारी निदेशक आशुतोष चौधरी और शिव बजरंग सिंह ने बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय, में शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

2026 में बदलेगी तमिलनाडु की राजनीति : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शनिवार को प्रदेश के राजनीतिक इतिहास का बखान किया। 'तमिल मनीला कांग्रेस' की स्थापना का कारण बताते हुए दावा किया कि 2026 में क्रांति आएगी और प्रदेश में बदलाव दिखेगा। उन्होंने दिवंगत नेता जी.के. मूपनार को याद करते हुए कहा कि मूपनार ने तमिलनाडु के लोगों की बदलाव की चाहत को समझा था, जिसके चलते उन्होंने तमिल मनीला कांग्रेस की स्थापना की थी।

अन्नामलाई ने बताया, जी.के. मूपनार दो बार तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। वे एक तमिल नेता के रूप में भारत के प्रधानमंत्री बनने के बेहद करीब पहुंचे थे, लेकिन मैं उस राजनीति पर बात नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि आज उनकी पार्टी का नेतृत्व बहुत मजबूती से हो रहा है और मूपनार का आशीर्वाद हमेशा उनके साथ रहेगा, चाहे वे कहीं भी हों। उन्होंने 2026 के विस चुनावों पर जोर देते हुए कहा कि हर आम नागरिक अब तमिलनाडु में बदलाव की बात कर रहा है। उन्होंने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी के मंच से दिए गए भाषण का जिक्र किया। उन्होंने भरोसा जताया कि '2026 में एक नई क्रांति आएगी, जो राज्य में बड़े बदलाव लाएगी।' भाजपा नेता ने कहा कि तमिलनाडु के लोग अब पुरानी राजनीति से ऊब चुके हैं और नई दिशा की तलाश में हैं। उन्होंने दावा किया कि एनडीए के नेतृत्व में राज्य में विकास और समृद्धि लाई जा सकती है। अन्नामलाई ने मूपनार की दूरदर्शिता को याद करते हुए कहा कि उनके सपनों को साकार करने का वक्त आ गया है। पार्टी 2026 चुनावों में गठबंधन के जरिए सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। इस बीच, विपक्षी दलों ने अन्नामलाई के बयानों को सियासी स्टंट करार दिया है। लेकिन, भाजपा समर्थक इसे राज्य के भविष्य के लिए सकारात्मक कदम बता रहे हैं।

कांग्रेस सांसद सेंथिल का एसएसए फंड रोके जाने के विरोध में अनिश्चितकालीन अनशन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना के तहत केंद्र द्वारा धनराशि रोके जाने के खिलाफ कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल का अनिश्चितकालीन अनशन शनिवार को भी जारी रहा जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका समर्थन किया। कुछ समर्थकों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया जिन पर लिखा था, ''बच्चों की शिक्षा बंद न करें।'' इस बीच विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर साझा किया, जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी सेंथिल को अपना समर्थन देते हुए दिखाई दे रहे हैं। तिरुवल्लूर से सांसद सेंथिल ने कहा, ''मैं केंद्र सरकार से धनराशि जारी करने की मांग को लेकर अपना अनिश्चितकालीन अनशन जारी रख रहा हूं जिसने राजनीतिक कारणों से तमिलनाडु के छात्रों के लिए एसएसए की धनराशि रोक रखी है।'' उन्होंने कहा, ''उन सभी मित्रों का आभार जो व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर रहे हैं और फोन करके समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। आइए हम सब मिलकर तब तक लड़ें जब तक हमारे बच्चों और शिक्षकों को उनका वाजिब हक न मिल जाए।'' मई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया था कि उसने अपनी 'क्षुद्र राजनीति' के लिए राज्य को शिक्षा निधि रोक दी है।

मेरे पिताजी घर में गाने गाते थे इससे संगीत के प्रति मेरी रुचि पैदा हुई : श्रुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। गायक एवं अभिनेत्री श्रुति हासन ने कहा कि सिनेमा ने उन्हें एक बेहतर संगीतकार और गीतकार बनाया लेकिन संगीत के प्रति उनकी रुचि पिता कमल हासन के घर में हमेशा गाना गाते रहने के कारण हुई। श्रुति हासन ने कहा कि संगीत उनके और उनके पिता कमल हासन के बीच एक मजबूत जुड़ाव पैदा करता है। उन्हें कहा कि जब वह छोटी थीं तब कमल हासन हमेशा घर में गाते रहते थे जिससे उनकी भी संगीत के प्रति रुचि पैदा हुई।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पिताजी में एक रॉकस्टार छिपा है... मेरे पिताजी एक अद्भुत गायक हैं। जब वे गाते हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है क्योंकि मुझे उनकी आवाज़ बहुत पसंद है और मुझे लगता है कि मुझे उनसे ही गायन मिला है, आवाज़ के रूप में नहीं, बल्कि गायन के प्रति प्रेम के रूप में्। जब हम बात करते हैं, तो हम हमेशा पुराने गानों के बारे में बात करते हैं्। उन्हें क्लासिक रॉक पसंद है, उन्हें वुडस्टॉक युग पसंद है।'' श्रुति हासन ने कहा कि उनकी मां सारिका को भी कला की गहरी समझ है और वे घर में अक्सर संगीत बजाती थीं। श्रुति (39) ने पहली बार छह साल की उम्र में अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में गाना गाया था और इसके बाद से उन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सहित कई भाषाओं में गायन किया। पार्श्व गायन के अलावा, श्रुति एक संगीतकार भी हैं और वैकल्पिक रॉक बैंड द एक्स्ट्रामेंटल्स की प्रमुख हैं्। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोहों में प्रस्तुति दी है। उन्होंने एज' (2020), 'शी इज़ अ हीरो' (2022), और मॉन्स्टर मशीन' (2023) जैसे अंग्रेजी गाने भी गाए हैं। श्रुति ने बताया कि उनके पिता कमल हासन को फिल्म रिलीज़ से ठीक पहले पता चला कि उन्होंने उनकी हालिया फिल्म ठग लाइफ के लिए विनवेली नायगा गाया है।

धन्यवाद — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से शनिवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम और खाद्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री आरा. चक्रवर्ती ने मुलाकात कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। किसानों के लिए1 सितम्बर से संशोधित मूल्य पर धान की खरीद का आदेश द्रमुक सरकार ने दिया है।

मुदुमलाई बाघ आरक्षित क्षेत्र में हथिनी मृत पाई गई

उदगमंडलम। नीलगिरि जिले के मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के सिंगारा बाघ आरक्षित क्षेत्र के मसिनागुडी गांव में रहस्यमय परिस्थितियों में एक हथिनी मृत पायी गयी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। भ्रमण पर निकले वन विभाग के कर्मियों की एक टीम ने मसिनागुडी में एक जानवर का शव देखा और अपने उच्च अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि मृत हथिनी लगभग 50 साल की थी। वन विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है।

उद्घाटन/निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के थंडैयारपेट ज़ोन में 6.85 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कैप्टन कॉटन नहर में ड्रेजिंग और तैरते कचरे को हटाने के कार्य का उद्घाटन और निरीक्षण किया। इस अवसर परनगरपालिका प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ संस्थानों के मंत्री पीके शेखरबाबू, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर आर. प्रिया, संसद सदस्य डॉ. कलानिधि वीरसामी, विधायक आर.टी.शेखर, जेजे अपिनेसर, उप मेयर एम.एम.महेश कुमार, निगम आयुक्त जे. कुमारगुरुबरन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री स्टालिन को तमिलनाडु की शिक्षा प्रणाली को बचाने के लिए कदम उठाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता ए.एन.एस.प्रसाद द्वारा जारी बयान में बताया कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार को राज्य की जर्जर स्कूली शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में केंद्र के प्रभावी प्रशासनिक सुधारों का अनुकरण करना चाहिए। मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी को सभी गाँवों और पंचायतों में एक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि छात्रों को स्वच्छ, स्वास्थ्यकर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा मांग करती है कि मुख्यमंत्री स्टालिन तुच्छ राजनीति छोड़कर चरमराती स्कूली शिक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दें। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने इस संकट को सही ही उजागर किया है, उन्होंने चरमराते बुनियादी ढाँचे, अनियंत्रित सामाजिक संघर्षों और सभी के लिए समान शिक्षा को प्राथमिकता देने में विफलता की ओर इशारा किया है। सरकारी स्कूलों में नामांकन 2023-2024 में 42.23 प्रतिशत से घटकर 2025-2026 में 37.92प्रतिशत हो गया है, जिसमें 20 प्रतिशत स्कूलों में नामांकन शून्य है, जिसके कारण उन्हें बंद करना पड़ा है। तमिल माध्यम के स्कूलों में 54 प्रतिशत से 33 प्रतिशत तक की भारी गिरावट देखी गई है, क्योंकि माता-पिता अंग्रेजी और बहुभाषी पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले निजी संस्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। सरकारी स्कूलों में जर्जर बुनियादी ढाँचा व्याप्त है, जहाँ कक्षाएँ पेड़ों के नीचे या छतों पर चलती हैं, और सुरक्षित शिक्षण वातावरण के लिए शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। शिक्षकों की भारी कमी है, 5,000 से ज़्यादा अंशकालिक शिक्षक स्थायी पदों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और हज़ारों रिक्त पद खाली हैं, जिससे छात्र-शिक्षक अनुपात 30:1 का उल्लंघन हो रहा है। मंत्री पोय्यामोझी का आत्म-प्रशंसा भरे बयान जारी करने पर ध्यान इन भयावह वास्तविकताओं की अनदेखी करता है।

दीया कुमारी ने लोकदेवता बाबा रामदेव के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामदेवरा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी शनिवार को लोकदेवता बाबा रामदेव जी महाराज की पावन नगरी रामदेवरा पहुंचीं। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने आस्था के प्रतीक राम सरोवर कुंड के भी दर्शन किए और कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लोकदेवता और आस्था के केन्द्र बाबा रामदेव जी की पावन धरती पर आने का अवसर प्राप्त हुआ।

भाद्रपद सप्तमी के अवसर पर दीया कुमारी रामदेवरा में चल रहे विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर यानी नेत्रकुंभ में भी पहुंचीं। सक्षम संस्था, जयपुर द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन की उन्होंने सराहना करते हुए संस्था को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए बताया कि अब तक 83,000 लोग इस शिविर से लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले बजट में वह प्रयास करेंगी कि रामदेवरा में एक स्थानीय हॉस्पिटल की स्थापना हो, ताकि यहां के निवासियों और आस-पास के लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इसी दौरान उन्होंने शिविर की ओपीडी में जाकर चिकित्सा सेवाओं का भी बारीकी से जायज़ा लिया। नेत्रकुंभ की विशेषता यह है कि यह 33 दिन का विशाल मेडिकल शिविर 1 अगस्त से 2 सितम्बर तक आयोजित हो रहा है। इसमें सवा लाख से अधिक श्रद्धालुओं की आंखों की निःशुल्क जांच की जा रही है, लगभग एक लाख लोगों को चश्मों का वितरण किया जा रहा है और ग्यारह हजार से अधिक श्रद्धालुओं के निःशुल्क ऑपरेशन किए जा रहे हैं।

दीया कुमारी ने इस अवसर पर सक्षम संस्था की कार्यशैली की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्था चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक विकास और स्वावलंबन के क्षेत्र में सराहनीय काम कर रही है। दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं, कृत्रिम अंग वितरित किए जा रहे हैं, पुनर्वास योजनाएं चलाई जा रही हैं, दिव्यांगों को पुरस्कार और सम्मान दिए जा रहे हैं, स्कूटियां वितरित की जा रही हैं और सुरम्य भारत अभियान के तहत उन्हें सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

साथ ही उन्होंने कहा कि लोक त्योहार, मेले और उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं। बाबा रामदेव जी का यह मेला आस्था का केंद्र है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। हमारी सरकार मेले, उत्सव, तीज-त्योहार और लोक कला-संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। धार्मिक स्थलों का विकास किया जा रहा है, जिससे न केवल पर्यटन को बल मिलेगा बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

बोर्डों में जल्द हो नियुक्तियां : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से बोर्डों में जल्द नियुक्तियां करने की मांग करते हुए कहा है कि सरकार बदलने के बाद से कई बोर्डों को अघोषित तौर बन्द कर दिया गया है। सभी वर्गों के लोगों की अपेक्षा है कि इन बोर्ड में जल्द से जल्द नियुक्तियां की जाएं जिससे इन बोर्डों का उद्देश्य पूरा हो सके। गहलोत शनिवार को अपन बयान में कहा कि हमारी कांग्रेस सरकार ने 2018 से 2023 के दौरान ईडब्ल्यूएस बोर्ड, विप्र कल्याण बोर्ड, ज्योतिबा फुले बोर्ड, वीर तेजाजी किसान कल्याण बोर्ड के साथ-साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के अलग-अलग वर्गों के लिए 36 बोर्ड गठित किए थे।

उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश बोर्ड समाज के पिछड़े एवं वंचित तबके से संबंधित थे। हमारा उद्देश्य था कि इन बोर्ड से समाजों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिले एवं इनकी आवश्यकताओं के अनुसार नीतियां बन सकें तथा सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार बदलने के बाद से इन बोर्डों को अघोषित तौर बन्द कर दिया गया है। इन सभी वर्गों के लोगों की अपेक्षा है कि इन बोर्ड में जल्द से जल्द नियुक्तियां की जाएं जिससे इन बोर्डों का उद्देश्य पूरा हो सके।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास जरूरी : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शनिवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे । दिलावर आरसीएम वर्ल्ड में आयोजित सुविचार अभियान के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान दिलावर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ग्राम प्रधान व्यवस्था है और गांव हमारे आदर्श समाज की एक इकाई है। उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण के कारण गांव की व्यवस्था कमजोर हो रही है। हमें प्रकृति और विज्ञान के बीच संतुलन बनाना होगा। उन्होंने भारत की विविधतापूर्ण जलवायु के संरक्षण पर बल दिया। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने समारोह में जल, जंगल और ज़मीन के पर्यावरण-अनुकूल उपयोग के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, उन्होंने जिले में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किए जा रहे विकास कार्यो के बारे में भी चर्चा की। सुविचार अभियान संगोष्ठी के पश्चात दिलावर ने जिले में शिक्षा विभाग द्वारा नगर निगम सभागार में आयोजित शिक्षा अधिकारियों के संवाद कार्यक्रम में शिरकत की।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षकगण को देश को श्रेष्ठ नागरिक देने का स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य का निर्माण शिक्षकों के हाथ में है, वे अपनी जिम्मेदारी को सजगता से निभाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक अपने कर्तव्यों का अनुशासन से पालन करे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उद्बोधन के पश्चात दिलावर ने जिले में कार्यरत प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों के साथ विभिन्न नवाचारो के बिंदुओं पर उनके विचार आमंत्रित करते हुए संवाद किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अरुणा गारू ने शिक्षा के क्षेत्र में जिले की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया साथ ही शिक्षा विभाग की अधिकारी डॉ. कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से शिक्षा विभाग के नवाचारो से आए गुणवत्तापूर्ण परिणामों पर चर्चा की।

भर्ती परीक्षा पर अदालती फैसले से भाजपा का दोहरा चरित्र सामने आया : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 पर उच्च न्यायालय के फैसले से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दोहरा चरित्र सामने आ गया है। गहलोत ने कहा कि पूरे देश में बेरोजगारी की वजह से ऐसा माहौल बन गया है कि तमाम राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदम देशभर में एक मिसाल बने।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने पेपर लीक के मद्देनजर विवादास्पद 'पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021' को बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। गहलोत ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, पूरे देश में बेरोजगारी की वजह से ऐसा माहौल बन गया है कि तमाम राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रहती हैं। सेना, 'ज्यूडिशियरी' और मेडिकल की नीट परीक्षा तक के पेपर लीक हुए, जिससे देशभर में विवाद हुए।

उन्होंने दावा किया, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, पश्चिम बंगाल समेत अनेक राज्यों में 50 से ज्यादा पेपर लीक की घटनाएं हुईं। राजस्थान भी इससे अछूता नहीं रहा, लेकिन जैसे सख्त कदम राजस्थान में उठाए गए, वे देशभर में एक मिसाल बने। उन्होंने कहा, देश में पेपर लीक के खिलाफ पहले 10

साल की सजा, फिर इसे बढ़ाकर उम्रकैद तक की सजा और 10 करोड़ रुपये जुर्माना, दोषियों की संपत्ति कुर्क करने जैसा कठोर कानून सबसे पहले राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने ही बनाया था। इस कानून के बाद ही केंद्र सरकार ने कानून बनाया, लेकिन सजा का प्रावधान कम रखा।

गहलोत ने कहा, 2021 में कांग्रेस सरकार ने पूर्व आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) महेन्द्र कुमावत की अध्यक्षता में एक समिति बनाई, जिसने परीक्षा प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सुझाव दिए जिनके आधार पर परीक्षा प्रणाली में सुधार किए गए। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के दौरान पेपर लीक, नकल आदि पर कार्रवाई के लिए विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) में 'एंटी चीटिंग सेल' का गठन किया गया था, जिसने ऐसे कृत्यों में लिप्त सैकड़ों लोगों को जेल में बंद किया।

उन्होंने दावा किया, हमारी सरकार के दौरान जिस परीक्षा में गड़बड़ी सामने आई, उसके अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और परीक्षा को रद्द कर दिया गया। आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा को भी कांग्रेस सरकार के दौरान पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया, जिससे एक संदेश दिया जा सके कि आरोपी किसी भी स्तर का व्यक्ति हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस सरकार के समय रीट परीक्षा लेवल-दो में अनियमितताएं सामने आईं थीं, जिसे सरकार ने रद्द कर दिया और समयबद्ध तरीके से पुनः परीक्षा आयोजित करवाई। तब पदों की संख्या को 32,000 से बढ़ाकर 50,000 से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई थी।

उन्होंने कहा, एसओजी ने बताया था कि कुछ 70-80 लोगों तक पेपर पहुंचा, लेकिन हमने विश्वास बहाल रखने के लिए सख्त कदम उठाए। गहलोत ने कहा, सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पर उच्च न्यायालय के फैसले ने भाजपा के दोहरे चरित्र को जनता के सामने 'एक्सपोज' (बेनकाब) कर दिया है। भाजपा जनता में तो सब-इंस्पेक्टर परीक्षा को लेकर अलग बातें करती है, लेकिन अदालत में इस परीक्षा को रद्द न करने के लिए प्रयास करती रही।

राज्य सरकार के स्किल्ड डवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से युवाओं के लिए हो रहा रोजगार सृजित : विश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने शनिवार को जालोर जिले की भीनमाल पंचायत समिति की भालनी ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन व अमृता देवी राजकीय पुस्तकालय का विधिवत रूप से फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भालनी में दो कक्षा-कक्ष मय हॉल का उद्घाटन व गौ माता चौक पर मूर्ति का अनावरण भी किया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्नोई ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत व विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नव अवसर सृजित कर रही है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के दौर में युवाओं को नवीनतम शिक्षा तकनीकों से अवगत कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बालिकाएं देश का भविष्य हैं अतः हमारा कर्तव्य बनता हैं कि हम उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाएं जिससे देश सशक्त बने। समारोह में सांसद लुम्बाराम चौधरी ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आमजन के हितों के लिए कृतसंकल्पित है तथा किसानों व गरीबों के हितों के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि जेरला स्थित अवैध 74 औद्योगिक इकाइयों का विद्युत संबंध विच्छेद करते हुए आगामी पन्द्रह दिवस में बंद करवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके लिए नगर परिषद, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जिला प्रशासन संयुक्त रूप से कार्यवाही करें। यह बात उन्होंने शनिवार को जिला कलक्टर सभागार में वन एवं पर्यावरण विभाग, जिले की बजट घोषणाओं, पौधारोपण व अन्य योजनाओं तथा विभागीय कार्यकलापों की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होने कहा कि किसानों के हक के साथ राज्य सरकार किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। कारखाने बंद करने पड़े तो करें। जो औद्योगिक ईकाईयां प्रदूषित पानी छोड़ रही है, उन पर तुरंत कार्यवाही की जानी सुनिश्चित करें। पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है, इसमें कोई समझौता नहीं।

संजय शर्मा ने कहा कि अधिकारी एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण कर उनके रखरखाव हेतु आमजन को प्रेरित भी करें, पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदूषण फैलानी वाली इकाइयों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही करें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखते हुए विकास कार्य करें। उन्होने कहा कि एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण के तहत लगाये गये पौधों का शत प्रतिशत जीयो टैग करें।

शर्मा ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत जिले को मिले 16.75 लाख पौधरोपण लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव हेतु अपनाए जा रहे उपायों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो पौधे किसी कारणवश जीवित नहीं रह पाते, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पौधारोपण और सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने एजेंडावार समीक्षा करते हुए 2024-25 एवं 2025-26 की विभाग के संबंध में की गई बजट घोषणाओं एवं जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में गति लाने को कहा व वन क्षेत्र में ऐतिहासिक महत्व के भवनों के रख-रखाव व जीर्णोद्धार के निर्देश दिए जिससे कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। शर्मा ने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण के लिए कचरा निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। साथ ही खनन इकाइयों द्वारा नियमों का उल्लंघन कर प्रदूषण फैलाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड सुनिश्चित करें कि औद्योगिक इकाइयां नियमानुसार कार्यवाही करें, अपशिष्टों का उचित निस्तारण करें एवं किसानों की फसलों को औद्योगिक इकाइयों से किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचे। उन्होने विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचार पर भी चर्चा की और ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के माध्यम से करवाए जा रहे कार्यों एवं चुनावों संबंधी आवश्यक जानकारी जनप्रतिनिधियों के साथ समय समय पर साझा करने को कहा।

उन्होंने वन क्षेत्रों में सड़क व अन्य कार्यों के प्रस्ताव भिजवाने, एनओसी लेने व कार्य करते समय जनप्रतिनिधियों व अन्य संबंधित विभागों से समन्वय रखने को कहा।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राजस्थान में पूर्व विधायक की पेंशन के लिये आवेदन दिया

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के रूप में पेंशन के लिए आवेदन दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। वह जुलाई 2019 तक पूर्व विधायक के रूप में पेंशन ले रहे थे। धनखड़ के पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त होने के बाद यह पेंशन बंद कर दी गयी थी। इक्कीस जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद, धनखड़ ने पूर्व विधायक के रूप में पेंशन की बहाली के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में नये सिरे से आवेदन दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिवालय ने इस आवेदन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनकी पेंशन उपराष्ट्रपति के रूप में उनके इस्तीफे की तारीख से लागू होगी। राजस्थान में पूर्व विधायक के लिए पेंशन एक कार्यकाल के लिए 35,000 रुपये प्रति माह से शुरू होती है तथा अतिरिक्त कार्यकाल और उम्र के साथ बढ़ती जाती है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु वालों को 20 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ मिलता है। अधिकारियों के अनुसार 74 वर्षीय धनखड़ पूर्व विधायक होने के नाते 42,000 रुपये प्रति माह के हकदार हैं।

चेनाब और अंजी खड्ड पुल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता के प्रतीक : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि चेनाब रेल पुल और अंजी खड्ड पुल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता के प्रतीक हैं। आर्च डिजाइन में बना चेनाब पुल और पहला केबल-स्टे पुल अंजी खड्ड कठिन प्राकृतिक परिस्थितियों को सहन करने में पूरी तरह सक्षम हैं। शनिवार को एमबीएम विश्वविद्यालय में चेनाब रेल पुल और अंजी खड्ड पुल पर आयोजित व्याख्यान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चेनाब रेल पुल का निर्माण 2000 के दशक में शुरू हुआ, लेकिन सुरक्षा कारणों से रोका गया।

बाद में इसे मजबूत डिजाइन और आधुनिक तकनीक से फिर शुरू किया गया। करीब 1,486 करोड़ की लागत से बने इस पुल का निर्माण अगस्त 2022 में पूरा हुआ और सुरक्षा परीक्षणों के बाद इसे 6 जून 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया।

उन्होंने कहा कि 1,315 मीटर लंबा और 359 मीटर ऊंचा यह पुल आज दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। यह भूकंप, भूस्खलन और 266 किमी प्रति घंटे तक की हवाओं को सहन करने में सक्षम है।

शेखावत ने कहा कि अंजी खड्ड पुल, जो 331 मीटर ऊंचा और 750 मीटर लंबा है, 2023 में पूरा हुआ और 2024 में सफल परीक्षणों के बाद 2025 में औपचारिक रूप से शुरू किया गया। चमकते केबल्स के साथ हिमालय की पृष्ठभूमि में यह पुल भारतीय इंजीनियरिंग कौशल की चमक बिखेरता है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि ये पुल सिर्फ ढांचे नहीं, बल्कि जीवन रेखाएं हैं, जो कश्मीर को पूरे भारत से जोड़ते हैं। इससे किसानों को बाजार, छात्रों को शिक्षा और युवाओं को रोजगार का रास्ता मिलता है।

असम सरकार के बेदखली अभियान का पूरा समर्थन करता है केंद्र : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र, राज्य सरकार के बेदखली अभियान का 'पूरी तरह से समर्थन' करता है जोकि एक दिन पहले यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण से भी ''स्पष्ट'' है। शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शाह ने स्पष्ट किया कि असम और पूरे देश को अवैध घुसपैठियों से मुक्त कराया जाएगा और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार ने अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान शुरू किया है, जिसका ''कांग्रेस ने विरोध किया है''। उन्होंने कहा, केंद्र असम सरकार के बेदखली अभियान का पूरी तरह से समर्थन करता है और इसके तार्किक निष्कर्ष को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेदखली जारी रहेगी क्योंकि ''हम अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि मई 2021 में उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से 160 वर्ग किलोमीटर से अधिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। शर्मा ने घुसपैठियों के मुद्दे पर कहा कि राज्य में दो मोर्चों पर 'उन्हें निकालने' की कार्रवाई हो रही है, जिसमें नए घुसपैठियों और 1971 के बाद प्रवेश करने वाले लोगों, दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, जो विदेशी 1971 के बाद राज्य में आकर रह रहे हैं, उन्हें आप्रवासी निष्कासन अधिनियम के तहत वापस भेजा जा रहा है, जो हमें ऐसा करने का अधिकार देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए घुसपैठियों के मामले में,''जैसे ही वे पड़ोसी बांग्लादेश से राज्य में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं, हम उन्हें वापस भेज देते हैं और यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

उद्यमी 'आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की नींव : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने शनिवार को लघु उद्योग दिवस पर देश और प्रदेश के उद्यमियों और कारीगरों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें 'आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की नींव बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा लघु उद्योग दिवस पर देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपना योगदान दे रहे सभी उद्यमियों, कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों को शुभकामनाएं! उन्होंने कहा आप सभी 'आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की नींव और 'लोकल से ग्लोबल' की प्रेरणा हैं। योगी ने कहा, आपका श्रम, संकल्प, सृजनशीलता और सफलता रोजगार, नवाचार और भारत की आर्थिक स्वतंत्रता का आधार है। उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, लघु उद्योग दिवस की समस्त देश व प्रदेश वासियों तथा उद्यम क्षेत्र से जुड़े सभी उद्यमियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज लघु उद्योग क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बनकर, लाखों लोगों को रोजगार, नवाचार और सम्मानजनक जीवन दे रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि आइए, हम सब मिलकर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सफल बनाएं और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त करें।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, लघु उद्योग दिवस की समस्त देश एवं प्रदेशवासियों तथा उद्यम क्षेत्र से जुड़े सभी उद्यमियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पुरी रथ यात्रा में इस्तेमाल किए गए रथों के पहिये संसद भवन में स्थापित किए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुरी रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए रथों के तीन पहिये संसद परिसर में स्थापित करने के श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एसजेटीए ने एक बयान में कहा, पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दौरे के दौरान प्रशासन ने संसद परिसर में रथों के तीन पहिये स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बिरला ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आज श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु का आशीर्वाद लिया। हम माननीय अध्यक्ष के प्रति अत्यंत आभारी हैं कि उन्होंने रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए तीन रथों में से प्रत्येक रथ का एक पहिया संसद परिसर में एक प्रमुख स्थान पर स्थापित करने के हमारे प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पुरी से सांसद संबित पात्रा के साथ पहुंचे बिरला का शुक्रवार को लायन्स गेट पर एसजेटीए के मुख्य प्रशासक ने स्वागत किया। पाधी ने कहा कि नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ), दर्पदलन (देवी सुभद्रा) और भगवान बलभद्र (तालध्वज) के रथों के पहिए दिल्ली ले जाकर ओडिशा की कालातीत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किए जाएंगे।

तीन विधेयकों पर संसदीय समिति में सभी दलों के प्रतिनिधित्व की कोशिश करेंगे : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि वह यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार होने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने वाले संविधान संशोधन विधेयक सहित तीन विवादास्पद विधेयकों की समीक्षा के लिए गठित की जाने वाली संसदीय समिति में सर्वश्रेष्ठ परंपराओं के अनुरूप विभिन्न दलों का प्रतिनिधित्व हो।

तीनों विधेयकों की समीक्षा के लिए संसदीय समिति का गठन किया जाना है और इससे पहले ही कई विपक्षी दलों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। बिरला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह इस मामले पर सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से अपने प्रतिनिधियों के नाम देने को कहा गया है और समिति का गठन शीघ्र ही किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय समितियां दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करती हैं और सदस्य इन समितियों में अपनी बात खुलकर रख सकते हैं।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण पर संसद और राज्य विधानसभाओं की समितियों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन के बाद बिरला ने कहा, मेरा प्रयास सर्वोत्तम परंपराओं को बनाए रखना होगा।

सभी राजनीतिक दलों के साथ बातचीत और विचार-विमर्श किया जाएगा। सरकार ने 20 अगस्त को लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। इस विधेयक में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रहने पर पद से हटाने का प्रावधान है।

धन शोधन मामले में गिरफ्तार तृणमूल विधायक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

कोलकाता/भाषा। कोलकाता की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा को शनिवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी ने साहा को धन शोधन के आरोप में 25 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उन्हें छह दिन की ईडी रिमांड की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया।

ईडी के वकील भास्कर प्रसाद बनर्जी ने विशेष अदालत के न्यायाधीश से साहा की न्यायिक हिरासत का अनुरोध किया। साहा ने अदालत के समक्ष कोई जमानत अर्जी नहीं दाखिल की है। मुर्शिदाबाद जिले के बुरवान से विधायक साहा को केंद्रीय जांच एजेंसी ने उनके आवास पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया था। छापेमारी के दौरान तृणमूल विधायक के सहयोगियों और प्रसन्ना कुमार रॉय नाम के एक कथित बिचौलिए के परिसरों पर भी तलाशी ली गई थी। ईडी का आरोप है कि साहा ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल में सहायक शिक्षक के पद पर नौकरी दिलाने के बदले में अयोग्य उम्मीदवारों से भारी रकम वसूलने के लिए एक एजेंट के रूप में काम किया। यह मामला पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में सहायक अध्यापकों (कक्षा 9-12) की कथित अवैध नियुक्तियों से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि अवैध नियुक्तियां पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के अधिकारियों के साथ आपराधिक साजिश के तहत की गईं।

पटनायक ने केंद्र से ओडिशा को पर्याप्त उर्वरक आपूर्ति करने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में उर्वरक की कथित कमी को लेकर किसानों में बढ़ते आक्रोश के बीच राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने इस मामले में केंद्र से हस्तक्षेप करने की शनिवार को मांग की और चालू खरीफ सत्र के दौरान यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति किए जाने का अनुरोध किया।

पटनायक ने दक्षिणी ओडिशा के मलकानगिरि, गंजाम और नबरंगपुर जिलों में उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति की मांग को लेकर किसानों के सड़कों पर उतरने की खबरों के बाद यह अपील की है। मलकानगिरि में विरोध प्रदर्शन के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-326 पर यातायात बाधित हो गया। ओडिशा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री के सी पात्रा ने हालांकि केंद्र को पत्र लिखने और राज्य के लिए अधिक उर्वरक की मांग करने के लिए पटनायक का मखौल उड़ाया। उन्होंने दावा किया, राज्य में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने याद दिलाया कि कैसे पटनायक ने पिछले साल राज्य में आलू की आपूर्ति प्रभावित होने पर प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा था। हर कोई जानता है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखे उनके पत्र का क्या हुआ। अब उर्वरकों के लिए केंद्र को पत्र लिखने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री ने दावा किया कि किसान भाजपा सरकार से संतुष्ट हैं, जिसने धान के लिए एमएसपी बढ़ाकर 3,100 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है।

प्रधानमंत्री की मां पर टिप्पणी देश की मां-बहनों का अपमान: बृजभूषण

गोंडा (उप्र)/भाषा। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि देश के प्रधानमंत्री हैं और उनकी माता पर टिप्पणी करना देश की सभी माताओं एवं बेटियों का अपमान है। सिंह ने शनिवार को विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से कहा कि भारत की परंपरा में महिला को देवी स्वरूपा माना गया है, ऐसे में किसी दिवंगत महिला के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है, बल्कि व्यक्ति के संस्कार और ज्ञान की भी झलक देता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा की एक मर्यादा होती है और यदि कोई स्वयं मर्यादा नहीं रखता तो समाज भी उसे स्वीकार नहीं करता।

राहुल गांधी ने यात्रा की क्रांति के पूरे देश में फैलने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अखिलेश ने भाजपा को हराने का आह्वान किया

सारण/भोजपुर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ शनिवार को कहा कि बिहार में शुरू हुई यह क्रांति पूरे देश में फैलने जा रही है और अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट और चुनाव की 'चोरी' नहीं करने दी जाएगी।

राहुल गांधी और बिहार के महागठबंधन के नेताओं को इस यात्रा के 14वें दिन समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी समर्थन मिला। यात्रा में शामिल होने के बाद यादव ने बिहार की जनता का आह्वान किया कि वे उसी तरह भाजपा को 'मगध' (बिहार) में भी हराए, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव में लोगों ने उसे 'अवध' (उत्तर प्रदेश) में हराया था। यात्रा का आज 14वां दिन था और आगामी सोमवार को पटना में विशाल पैदल मार्च से पहले वाहन के जरिए यह आखिरी दिन की यात्रा थी। यात्रा में रविवार को अवकाश का दिन है। सासाराम से 17 अगस्त को शुरू हुई यह 16-दिवसीय यात्रा एक सितंबर (सोमवार) को पटना में ''विशाल पैदल मार्च'' के साथ समाप्त होगी। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सारण से इस यात्रा का हिस्सा बने।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और महागठबंधन के कुछ अन्य नेता एक खुली जीप पर सवार थे और उन्होंने जगह-जगह उत्साही भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया।

अखिलेश यादव से पहले, द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में शामिल हो चुके हैं।

झारखंड पुलिस ने बंधक बनाए गए 62 युवकों को मुक्त कराया, तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सरायकेला (झारखंड)/भाषा। झारखंड पुलिस ने एक निजी कंपनी द्वारा प्रशिक्षण और रोजगार दिलाने के नाम पर बंधक बनाए गए 62 युवकों को मुक्त कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इस मामले में बिहार निवासी तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक कंपनी के कर्मियों ने कुछ युवकों को बंधक बनाकर रखा है, जिसके आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र के कपाली के तामोलिया में किराए के मकानों में छापेमारी की और उन्हें मुक्त कराया। एसडीपीओ ने बताया कि निजी कंपनी के सुपरवाइजर और अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

उन्होंने बताया कि तीन आरोपियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया। बिन्हा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग बिहार के भागलपुर और गयाजी जिले के रहने वाले हैं।

सिराज से बात कर 'बोरिंग टाइम' का भी लुत्फ उठाना सीख लिया है: अर्शदीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लंबे होते इंतजार के बीच तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के साथ बातचीत ने उन्हें इस उबाऊ दौर से उबरना और एशिया कप के लिए मानसिक रूप से तैयार होना सिखाया है।

इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती तीन टेस्ट में एकादश से बाहर रहने के बाद अर्शदीप के पास चौथे और पांचवें टेस्ट में पदार्पण का मौका था लेकिन बाएं अंगूठे की दुर्भाग्यपूर्ण चोट के कारण ऐसा नहीं हो सका। अर्शदीप ने यहां दलीप ट्रॉफी के इतर कहा, मैंने पिछले दो महीनों में मानसिक रूप से उबाऊ समय का लुत्फ उठाना सीख लिया है। टेस्ट क्रिकेट या लाल गेंद के मैचों में एक समय ऐसा आता है जब आपका काम थोड़ा उबाऊ हो जाता है। जैसे लंच के बाद का सत्र जब गेंद से ज्यादा मदद नहीं मिलती है। तब आप उसका लुत्फ कैसे ले सकते हैं? '' उत्तर क्षेत्र के लिए अच्छी गेंदबाजी करने के बावजूद बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ अपना पहला विकेट लेने के लिए दूसरे दिन के आखिरी सत्र तक इंतजार करना पड़ा।

बिहार: मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए निर्वाचन आयोग को लगभग दो लाख आवेदन मिले

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि उसे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए व्यक्तियों से 1.98 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। आयोग ने कहा कि दूसरी ओर, नाम शामिल करने के लिए लगभग 30,000 आवेदन प्राप्त हुए। मतदाता सूची का मसौदा एक अगस्त को प्रकाशित किया गया था और यह एक सितंबर तक व्यक्तियों तथा राजनीतिक दलों द्वारा ''दावों और आपत्तियों'' के लिए खुला रहेगा।

चुनाव कानूनों के तहत, लोगों और दलों को उन नामों को शामिल करने को चुनौती देने का अधिकार है जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे मसौदा सूची में अपात्र हैं। इसी तरह, जो लोग खुद को पात्र समझते हैं लेकिन सूची से बाहर रह गए हैं, वे भी नाम शामिल करने की मांग कर सकते हैं। बिहार में नवंबर में चुनाव होने की संभावना है और वहां के लिए अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट ने अब तक बिहार के मतदाताओं की मसौदा सूची में शामिल करने के लिए 25 और बाहर करने के लिए 103 दावे दायर किए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य के 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.11 प्रतिशत ने अब तक सत्यापन के लिए अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से कहा है कि वह मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के इच्छुक लोगों से आधार कार्ड या सूचीबद्ध 11 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज स्वीकार करे। निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि वह चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर भरोसा जताए।

गोलकीपर संधू के शानदार खेल से भारत ने ताजिकिस्तान को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसोर (ताजाकिस्तान)/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम ने नए मुख्य कोच खालिद जमील की देखरेख में सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू के शानदार प्रयास से ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया।

भारतीय जीत के नायक संधू ने पेनल्टी किक सहित कई शानदार बचाव किए। उन्हें टीम की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों का भी अच्छा साथ मिला। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत के लिए शुक्रवार को खेले गए मैच में डिफेंडर अनवर अली (पांचवें मिनट) और संदेश झिंगन (13वें मिनट) ने गोल किए। इसके बाद भारत ने बाकी के 75 मिनट तक 106वीं रैंक वाली मेजबान टीम के खिलाफ डटकर बचाव किया। पूर्व कोच मोनालो मार्केज के कार्यकाल में संधू शुरुआती एकादश में जगह के लिए संघर्ष कर रहे थे लेकिन जमील का पदभार संभालते ही इस अनुभवी खिलाड़ी पर भरोसा जताना टीम के लिए शानदार रहा। झिंगन ने मैच के बाद कहा, भारतीय प्रशंसकों ने इस नतीजे का लंबे समय तक इंतजार किया था। मैं जानता हूं कि हमने कई बार अच्छा बचाव किया है, लेकिन हम अब भी थोड़े अनुभवहीन हैं। हमें इस जीत पर आगे बढ़ना होगा। हमें ईरान के खिलाफ और अधिक दृढ़ता दिखानी होगी। भारतीय टीम की अग्रिम पंक्ति लंबे समय से ज्यादातर मौके पर गोल करने में विफल रही है ऐसे में सेंटर बैक अनवर और झिंगन ने पहले 15 मिनट के भीतर ही भारत के तीन अंतरराष्ट्रीय मैचों से चले आ रहे गोल के सूखे को समाप्त किया। ताजिकिस्तान ने मैच के 33वें मिनट में वापसी की जब शाहरोम शामेव ने शेरिद्दीन बोबोएव के बनाये मौके पर झिंगन को छकाते हुए भारतीय गोल पोस्ट की बाईं ओर गेंद डाल दी।

जूनियर विश्व कप के लिए भारत आएगा पाकिस्तान: हॉकी इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने शनिवार को पुष्टि की कि पाकिस्तान इस साल के अंत में एफआईएच जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए भारत आएगा।

दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष के बाद सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पाकिस्तान ने बिहार में चल रहे एशिया कप से हटने का फैसला किया। इससे यह संदेह पैदा हो गया था कि पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर में चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में भाग लेगा या नहीं। भोलानाथ ने कहा, पाकिस्तानी टीम जूनियर विश्व कप के लिए भारत आ रही है। उन्होंने कल रात हमें इसकी पुष्टि की। एशिया कप से हटने के बाद मैंने उनसे उनकी उपलब्धता के बारे में पूछा था। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की तैयारियां 'अंतिम चरण' में हैं। भोलानाथ ने कहा, 24 देशों में से हमें 23 देशों की सूची मिल गई है। सिर्फ पाकिस्तान ही बचा है जिसकी सूची हमें एक-दो दिन में मिलने की उम्मीद है। भारत सरकार ने हाल में एक नीति बनाई है कि वह पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय खेल संबंध नहीं रखेंगे लेकिन भारत की टीमों को बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने से नहीं रोका जाएगा।

भोलानाथ ने कहा, मैं इस बारे में पूरी तरह स्पष्ट हूं कि ओलंपिक चार्टर हमें जो भी निर्देश देगा, सरकार और हॉकी इंडिया उसका पालन करेंगे और उसे पूरा करेंगे। भारत सरकार इस बारे में भी स्पष्ट है कि पाकिस्तान किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ खेल सकता है। उन्होंने कहा, सरकार ने उनके वीजा को भी मंजूरी दे दी लेकिन अब पाकिस्तान क्यों नहीं आया, यह तो केवल वे ही जानते हैं। हॉकी इंडिया के शीर्ष अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि एफआईएच प्रो लीग एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और अगर जरूरत पड़ी तो भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ खेलेगी। पाकिस्तान ने 2025-26 एफआईएच प्रो लीग में न्यूजीलैंड की जगह ले ली है। भोलानाथ ने कहा, अगर वे एफआईएच प्रो लीग में हमारे पूल में हैं और अगर हमारा मैच पाकिस्तान से है तो हम उनके साथ क्यों नहीं खेलेंगे? यह अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है।

सुविचार

धैर्य एक महत्वपूर्ण गुण है जो हर समस्या का समाधान देता है।

ट्वीट

बाड़मेर–जैसलमेर लोकसभा के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी जी के निधन के उपरांत आज मोहनगढ़ स्थित उनके निवास पर शोक सभा में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

-दीया कुमारी

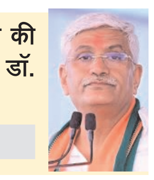

एमबीएम इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, जोधपुर में चिनाब एवं अंजीखड रेलवे ब्रिज निर्माण की चुनौतियाँ विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में शामिल हुआ। आईआईटी दिल्ली के प्रो. डॉ. के.एस. राव ने रोचक और उपयोगी जानकारी दी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

अशोक कुमार

बगावत

उनसे कुछ खास हो नहीं पाया था। ऐसा नहीं कि वे कंपीटेंट नहीं थे या उन्होंने कोशिशें नहीं कीं लेकिन तुलसीदासजी का कथन हानि लाभ, जीवन मरण, जस अपजस विधि हाथ उन पर पूर्णतया लागू था। और क्योंकि सामाजिक परिवेश में वे सफल नहीं थे इसलिए उनकी कोई खास सामाजिक पोजीशन भी नहीं थी। आर्थिक स्थिति ठीक थी इसलिए लोग दुआ सलाम कर लेते थे और इनसे संबंध भी जोड़े रखते थे। आर्थिक स्थिति इसलिए ठीक थी क्योंकि इनके पिता कामता प्रसाद श्रीवास्तव बड़े जमींदार थे। उन्होंने अपनी मेहनत से काफी कमाया और जमा किया। लोग उन पर जान छिड़कते थे। लोग इसलिए जान छिड़कते थे क्योंकि इन्होंने अपनी जमींदारी में कभी किसानों/गाँव वालों पर औरों की तरह जौर जुल्म नहीं किए। सबके साथ प्यार से व्यवहार किया और जहाँ जरूरत पड़ी लोगों को मदद की। हालाँकि यही इनकी परेशानी भी बन गई। क्योंकि जिसने 1920 में पचास रुपये उधार लिए उसने वादा कर के भी कभी वापस नहीं किए। कामत प्रसाद को उसकी वादा खिलाफी पर गुस्सा आ गया, उन्होंने उस पर मुकदमा कर दिया। मुकदमा चला तो चलता गया, तारीख पे तारीख पड़ती गई। पचास रुपये के मूल पर मुकदमे में खर्च हो गए सौ रुपये लेकिन फैसला दूर दूर तक नदारद। और ऐसे कम से कम सौ मुकदमे तो उनके अदालत में चल ही रहे थे।

कामता की औलाद एक ही थी – ओंकार प्रसाद श्रीवास्तव। ओंकार को वे वकील बनाना चाहते थे अंग्रेजों का जमाना था और कामता से अँगरेज बहादुर के अच्छे संबंध थे। उस जमाने में हाई स्कूल पास लोगों को सरकार वकील मुकर्रर कर देती थी। लेकिन ओंकार हाई स्कूल में तीन बार फेल हो चुके थे और चौथी बार भी पास होने की कोई उम्मीद नहीं थी। मजा ये के ये अपने जिस दोस्त को जो विषय पढ़ा दें वो पास हो जाए और खुद उसी में फेल! कामता को अपने बुढ़ापे और ओंकार की नाकामियों से आगे की नाव डगमगाती दिखी। कायस्थ की औलाद, जमींदार का खानदान वकालत न सही तो भी काम कम से कम ऐसा तो होना चाहिए जो लोगों की नजरों में इज्ज़त रख ले। तमाम बातें सोची गईं। आखिर में फैसला हुआ कि कलकत्ता में एक कागज बनाने वाली कंपनी है बंगाल पेपर मिल्स जो इस इलाके में अपने लिए एक एजेंसी की तलाश में हैं। कामता ने झाँसी शहर के बीचों बीच मानिक चौक में तीन दुकाने खरीदीं और ओंकार के नाम पर इस कंपनी की एक एजेंसी खुलवा दी। शुरू शुरू में तो सब ठीक चला फिर मुनाफे की जगह घाटा होने लगा और लगातार होने और बढ़ने लगा। कंपनी बंद करनी पड़ी। फिर एक अहाता ले लिया गया जिसमें दस दुकाने निकाली गईं जिन्हें किराये पर उठा दिया गया। किरायेदार भीख माँगते हुए आते और कुछ महीनों बाद मालिक जैसा रौब दिखाते। महँगाई बढ़ी तो किराये से ज्यादा खर्च दुकानों की सफाई–पुताई–मरम्मत में लगने लगा। जो रही सही कसर थी वो 1947 के बाद वाले स्वराज्य ने पूरी कर दी।

सरकार रेंट कंट्रोल एक्ट ले आई जो पूरी तरह से किरायेदारों के ही तरफ था। करनफूल कान काटने लगा। नौबत ये आई कि अहाते समेत दुकानें आने पौने बेच डाली गईं। कामता बूढ़े भी हो चले थे और बीमार भी रहते थे। गाँव वाले मालिकों की रोजाना की निगरानी न रख पाने से इत्मीनान में थे। कभी कहते खड़ी फसल जानवर खा गए, कभी ये कि गल्ला गाड़ियों में भर कर ला रहे थे कि रास्ते में कबूतरा (लुटेरे) लूट ले गए, कभी ये कि बैल मर गया नया लेना पड़ेगा, कभी कुछ कभी कुछ ...बहरहाल ...जमींदारी जिससे कभी घर चलता था अब पैर का काँटा बन गई। लड़का नाकारा हो, आमदनी की जगह खर्चे ही खर्चे हों, उम्र साथ छोड़ रही हो तो रात को क्या आदमी को दिन में भी अँधेरा ही अँधेरा दिखाई देता है। कामता ये नहीं समझे कि जो अँधेरा उन्हें उद्वेलित कर रहा है वह परिवार में औरों को भी वही कर रहा है और अगर इससे वे विचिलित होकर दीवानगी की हदों तक परेशान हो जाएँगे तो वे घर में सब को और भी परेशान कर देंगे। परिवार का चैन भंग हो जाएगा... कलह सुबह होते ही शुरू हो जाती थी। बाप अपने इकलौते बेटे को जिन गलियों और बद–दुआओं से नवाजता था वह अगर कोई दुश्मन भी सुन ले तो अपने कान बंद कर ले! ओंकार सुन लेते थे। बाप को इन्होंने कभी पलट कर जवाब नहीं दिया।

सुनते जाते थे और अपने सफेद कुर्ते पायजामे को पहन, छड़ी उठा कर बाहर घूमने निकल जाते थे। सुबह शाम घूमना ही था जो उन्हें घर की घुटन और गालियों से – जरा देर को ही सही – लेकिन दूर रखता था। एक आध बार ऐसा भी हुआ कि सुबह घूमने निकले और दो दिन तक वापस ही नहीं आए। ढुँढाई पड़ी। दो दिन बाद वापस आए तो पता चला ग्वालियर चले गए थे। ग्वालियर डेढ़ घंटे का तो सफर था झाँसी से। वापस आए तो फिर वही गाली गलौच। स्थितियाँ जिनके मनानुसार होती हैं या जो स्थितियों से समझौता कर के जीते हैं वे स्थितियों से समझौता न कर पाने वालों की तकलीफ का अंदाजा नहीं लगा सकते। और स्थितियों से समझौता केवल वे ही नहीं कर सकते जिनमें भावनाएँ और संवेदनाएँ औसत से कहीं अधिक और कुशाग्र होती हैं। इसलिए वैसे लोगों में बर्दाश्त कम और बगावत ज्यादा होती है। ओंकार प्रसाद की बगावत उनके अपने ही खिलाफ थी। अंतर्मुखी। खामोश किस्म की। चुपचाप! चुपचाप तो होनी ही थी। अकेले लड़के थे और ऐसे बाप के जो बहुत रोबीला, इज्ज़तदार, तेज तर्रार था। जिसके सामने किसी की बोलने तक की हिम्मत नहीं थी। ओंकार छः वर्ष के थे तब इनकी माँ की मृत्यु हो गई, माँ के मरने से क्या तकलीफ हुई क्या मन पे गुजरी क्या दुख हुआ वो जो कुछ होना था वो तो हुआ लेकिन क्या हुआ ये समझ में ही नहीं आया। समझ में आने वाली उम्र ही नहीं थी। अपनी बात कोई था ही नहीं जिससे बाँट पाते। चुप रहे। सत्रह साल में इनकी शादी कर दी गई। बीवी मिडिल (उस समय का हाई स्कूल) पास थी। काम कर सकती थी लेकिन जमींदार की बहू थी इसलिए बाहर कैसे जाए, काम करना तो खानदान की तौहीन थी। वैसे तब पैसे की जरूरत भी नहीं थी।

वे दिन ओंकार के लिए सबसे सुखद दिन थे। बीवी मन की थी। दोनों मियाँ बीवी घूमने जाने लगे – कभी नैनीताल, कभी इलाहबाद कभी बंबई। घूमना घामना बंद हुआ जब जब बच्चे हो गए। साल दो साल के अंतर से तीन लड़के। लड़कों का बचपन बहुत आराम और मजे में गुजरा। किसी प्रकार की कोई महरूमियत नहीं। जब ज्यादातर बच्चे मीलों पैदल खटते थे तब ये तीनों अपनी अलग अलग सायकिलों से कॉलेज जाते थे। छटी से लगा कर इंटर तक कॉलेज था जिसमें इंटरवल में कभी समोसा, कभी मटर, कभी शीरे में डूबी मीठी गुझिया (जिसे लौंग कहते थे) ले ली जिसका पैसा महीने के आखिर में दिया जाता। पढ़ने के लिए कभी सेकंड हैंड किताबें नहीं लीं गईं, हमेशा नई। पढ़ाई में लड़के तेज थे और खेल कूद में भी अव्वल। हाई स्कूल तक आते आते ओंकार को लगने लगा था कि झाँसी से इन लड़कों को निकल कर किसी बड़े शहर में पढ़ने जाना चाहिए वरना इनकी जिंदगी घुट कर रह जाएगी। मिडिल फेल चाहे रहे हों लेकिन ओंकार थे आलिम। हर बात का ज्ञान, दुनिया की जानकारी – सब रखते थे। लड़कों की पैदाइश के बाद जब बाहर घूमना घामना बंद हो गया और लड़के बड़े होने लगे तो ओंकार ने बेतहाशा पढ़ना शुरू किया – लाइब्रेरियों में, अखबारों में, किताबें ढूँढ़ ढूँढ़ कर... न जाने कहाँ कहाँ से पता कर के इन्होंने ऋषकेश में शिवानंद आश्रम – जो की उस समय बस जरा जरा नाम कर ही रहा था – से खत–ओ–किताबत की, लड़कों के भविष्य के बारे में तमाम सोचा, तमाम राय लीं... दिल्ली, लखनऊ के विद्वानों से सलाह मशविरा किया और इसी सिलसिले में इनकी सूझ बूझ और लियाकत देख कर शहर के तमाम टीचर और बुद्धिजीवी इनके दोस्त बन गए। जो लोग पहले सिर्फ जमींदार के लड़के होने के कारण इनसे दुआ सलाम कर लेते थे अब दिल से इन्हें रुक कर 'प्रणाम बाबू जी' करने लगे। बहुत सोच समझ के बाद लड़कों को इन्होंने बी.एस.सी. करने भेजा लखनऊ। लखनऊ इसलिए क्योंकि ये बड़ा शहर था, झाँसी के पास भी था और वहाँ पढ़ाई के तमाम साधन मौजूद थे। बी.एस.सी. के बाद एक गया डाक्टरी पढ़ने और दो गए इंजीनियरिंग में।

अब सवाल था पैसा। रखा हुआ पैसा हमेशा नहीं चलता और कामता प्रसाद की मृत्यु के बाद जब ओंकार के तीन लड़के झाँसी के बाहर पढ़ने निकले और जब उनके खर्चे बढ़ते ही गए तब घर की हालात खस्ता से खस्तातर होती गई। तब ओंकार ने सबसे पहले तो अदालतों के मुकदमों में पैसा जाया करना बंद कर दिया। जो गया सो गया अब और तो न जाए! खर्चे बढ़ते ही जाते थे। तिजोड़ी में रखे सब जेवरात, चाँदी की तश्तरियाँ, झालरें, पंखे, पायलें, छाजने सब बिक गए। ओंकार को काम का कोई तजुर्बा था नहीं इसलिए वो काम ढूँढ़ते भी तो क्या। हाँ, बीवी टीचर बन सकती थीं। सो पचास की उम्र में उनके लिए पास के एक स्कूल में बात की गई। पहले तो ओंकार को पत्नी की नौकरी का ख्याल ही नागवार गुजरा लेकिन वक्त की मार थी। पत्नी ने समझाया कि तनख्वाह पूरी चाहे न पड़े, आधी तो पड़ेगी। कुछ तो खर्च सधेगा। स्कूल वालों ने कहा जमाना बदल गया है, हाई स्कूल पास टीचर नहीं हो सकता। फिर किसी तरह ट्रस्टी से सिफारिश करवाई। ट्रस्टी कामता के जान पहचान का था। बोला, कामता की बहू और नौकरी... नहीं नहीं... कुछ गलती हो गई तुम लोगों से लेकिन अगर कामता की बहू थी और उसे नौकरी करनी ही थी तो स्कूल को नौकरी देनी भी थी। हैड क्लर्क! ओंकार ने सुना तो मुँह पर हाथ रख कर आँखें फाड़ दीं। तुम्हें अंदाजा है खानदान का नाम क्या रहेगा? – नौकरी न करो तो तुम्हें अंदाजा है कि खानदान रहेगा भी या नहीं? – इससे घर का खर्च थोड़े ही चल सकता है! – लेकिन घर खर्च में कुछ मदद तो मिल ही सकती है... मँझला पास हो जाए तब तक ही की तो बात है... फिर दोनों सँभाल लेंगे। ओंकार अपनी हालत जानते थे। बीवी जो कर रही थी वो परिवार के भले के लिए था। चुप रहने के आलावा उनके पास कोई चारा न था। नौकरी लगने के बाद पत्नी सुबह उठकर ओंकार के लिए खाना बना कर रखतीं, अपना डब्बा बाँधतीं और चप्पल चटकाती नौ बजे निकल जातीं। ओंकार अकेलेपन और अपनी नाकारगी छुपाए जब सुबह नौ बजे दरवाजा अंदर से बंद करते तो मन मर मर जाने को होता। पत्नी शाम को पाँच तक वापस आती। तब तक खाना खाने, अखबार पढ़ने, इधर उधर चहल कदमी करने और अपनी बेचारगी को जी भर कोसने में जिस तरह दिन गुजरता वो ओंकार ही जानते। थोड़े दिन इस नकारात्मकता से गुजरते हुए इन्हें लगा कि इस तरह तो इनके मिजाज में कड़वाहट पैदा हो जाएगी, चिड़चिड़े हो जाएँगे। जो शख्स खुद से ही नाराज हो वह और क्या हो सकता है! और उस सूरत में इन्हें लगा कि वे उसी रस्ते जा रहे हैं जिस पर इनके पिता कामता प्रसाद हो लिए थे। अपनी चिड़चिड़ाहट, अपनी कुंठाओं के कारण परिवार के सभी का चैन भंग करते हुए, औरों को और भी परेशान करते हुए! पत्नी ने अगर बाहर की दुनिया सँभाली थी तो ओंकार ने घर की सारी जिम्मेदारी सँभाल ली – सफाई करना, डस्टिंग करना, कपड़े धोना, सौदा लाना, कभी कभी–जब पत्नी को देर हो जाए – तो उसके आने से पहले खाना बना लेना, इत्यादि। – ये क्या कर रहे हो तुम? ...कोई सुनेगा तो क्या कहेगा... पत्नी ने सवाल किया।

– क्यों... जब तुम घर सँभाल सकती हो तो क्या मैं तुम्हारा बोझ हल्का नहीं कर सकता? ...हम दोनों ही तो हैं, एक दूसरे के लिए! बच्चे अपने परिवार और संस्कृति का प्रतिबिंब होते हैं। वे वो ही सीखते हैं जो देखते हैं। भगवद्गीता में कहा गया है कि जो बड़े करते हैं उसका ही अनुसरण छोटे करते हैं। इस परिवार में भी बच्चे जो देख रहे थे वही सीख रहे थे। वे देख रहे थे कि बाप बेकार और नाकारा है, माँ काम कर कर के किसी तरह घर चला रही है और दादा के कमाए हुए जेवर और जायदाद बेच बेच कर उनकी पढ़ाई का खर्च चल रहा है। छुट्टियों में आते थे तो वे अपनी माँ को ही तरह तरह खुश करने के लिए अवसर ढूँढ़ते थे, उसे पिक्चर दिखाने की जिद करते थे – जो वे सतत मना करती रहतीं। पिता से रिश्ता था लेकिन तना तना सा, खिंचा खिंचा–सा। कहते लड़के कुछ नहीं थे लेकिन पिता से बात करते समय उनकी भाषा और चेहरे की मांसपेशियाँ तुर्श हो जाती थीं। बच्चे देख तो चुके थे कि किस तरह ओंकार का बाप भी ओंकार पर गालियों पर गालियों की बौछार करता रहता था। सीखता तो आदमी हीरो से है – वो जो अपनी नजर में हीरो हो। और हीरो वो होता है जो सक्षम होता है, सामर्थ्यवान होता है, कंट्रोल करता है और जिसकी बात दुनिया मानती है। इस घर में लड़कों का हीरो उनका पिता नहीं, उनका दादा था... और दादा पिता को जूते पर मारता था।

बड़े के डाक्टरी पास होते होते गाँव की जमीनें बिक गईं थीं। जमीनें बेचीं तो लोगों ने कहा, ये क्या किया ओंकार! ...जमीनें बेच दीं... ओंकार ने कहा, जमाना बदल रहा है, ये बाहर के पढ़े लिखे लड़के हैं ये अब जमीन जायदाद की देखभाल नहीं कर पाएँगे... जमीनें एक दिन जाया हो जाएँगीं... इसलिए उनके हक में यही है कि यह काम जीते जी मैं ही कर जाऊँ... उनकी तरक्की में कुछ भी हायल नहीं होना चाहिए।

– लेकिन पुश्तैनी जमीनें थीं... बटिया कर देते... बेचना नहीं चाहिए था...

– एक गाँव बेचा है... तीन गाँव खड़े कर रहा हूँ... मेरा एक एक लड़का एक एक गाँव के बराबर है... होनहार हैं,

लेकिन जिस दिन ओंकार जमीनों का सौदा कर के आए उस दिन आ कर पौर के तख्त पर सामने आसमान तकते जो बैठे तो बैठे रह गए। सूर्यास्त हो गया, दुनिया में चिराग जल गए ये घुप्प अँधेरे में वैसे ही बैठे रहे। शायद अपने भाग्य को कोसते हुए या फिर अपनी नाकारगी को धिक्कारते हुए। या अंधकारमय भविष्य को महसूस करते हुए। कुछ दिनों बाद माँ की नौकरी – जो किसी तरह बुढ़ापे में लग गई थी – छूट गई। इंजीनियर बनने वाले बेटे की पढ़ाई का आखिरी साल अभी बाकी था। उम्मीद ये थी कि डॉक्टर अब कोई नौकरी कर लेगा और घर और छोटे की पढ़ाई सँभाल लेगा। उम्मीद पर ही उनकी दुनिया कायम थी। बड़े ने उम्मीद कायम भी रखी। उसने पास होते ही सरकारी नौकरी कर ली और तनख्वाह का कुछ पैसा घर भेजना शुरू कर दिया। लेकिन जब से उसने पैसा भेजना शुरू किया था तब से उसकी बातचीत और खतों की इबारत में एक बड़प्पन का भाव उभर आया था। वो उन छोटी छोटी बातों के लिए भी 'आर्डर' देने लगा था जिनसे उसका दूर दूर तक लेना देना नहीं था। मसलन घर में दादा जी के जमाने की जो बंदूक रखी है उसे बेच दो। तलवारों, ढालों को – जिनको दीवारों पर सजा रखा है –उन्हें हटाओ वहाँ से, हिज मास्टर्स वौइस का भोंपू वाला ग्रामाफोन जो पड़ा है वो सड़ चुका है उसे बेच दो, घी खाने के जमाने अब लद गए, नए जमाने में लोग अब डालडा खाते हैं... सस्ता भी है और कहते हैं सेहत के लिए अच्छा भी है उसे इस्तेमाल किया करो... वगैरह वगैरह...! मँझला भी जब अपने फाइनल ईयर का इम्तिहान देकर आया तो उसके भी तेवर और थे। उसे फौज वालों ने कैंपस से ही चुन लिया था। फौज का नाम सुनते ओंकार और उनकी पत्नी सुन्न पड़ गए। थोड़े दिन ठहर जाते... अभी तो पास हुए हो, कोई और नौकरी देख लेते। – क्यों? फौज में क्या खराबी है? ...क्या सभी मर जाते हैं?

उसके बाद क्या सवाल करते और वैसे भी सवाल करने की सामर्थ्य तो सक्षम और आत्मविश्वास से भरे व्यक्ति में होती है। ओंकार तो ये दोनों नहीं थे। वरिष्ठ उनको कोई मानता नहीं था और आत्मविश्वास समय की मार ने उनमें दो कौड़ी का नहीं छोड़ा था। छोटे लड़के को अपने दादा का अपने बाप को गरियाना याद नहीं था, – वो तब बहुत छोटा था, लेकिन वह अपने बड़े भाइयों का पिता के प्रति व्यवहार देख देख कर बड़ा हुआ था। ओंकार के साथ उसके व्यवहार में बाप के तईं अपने भाइयों से कहीं ज्यादा तीखापन था। दिवाली की शाम थी। पूजा हो चुकी थी। छोटा लड़का थाली में दिए लिए झिंझरी पर लगा रहा था। बड़ा वाला, जो दो दिन की छुट्टी पर आया था, अपने लिए आए रिश्ते वालों की भेजी उनकी बेटियों की तसवीरें देख रहा था।

ओंकार प्रसाद पौर वाले तख्त पर जा के बैठ गए थे। लड़कों की माँ खाने का इंतजाम करने चौके की तरफ बढ़ रही थीं कि अचानक धड़ाम से गिर पड़ीं। चित्त, एकदम अचेत! गिरीं तो उनका बायाँ हाथ खील–बताशे–मिठाई वाली थाली पर जोर से पड़ा। थाली औंधी हो गई और आवाज से बड़े वाले का ध्यान उधर गया। वो उठा और माँ के पास जाकर उसे सहलाने/पुकारने लगा। बड़े ने छोटे को आवाज दे कर कहा, डॉक्टर चौधरी को बुला लाओ। डॉक्टर चौधरी फॅमिली डॉक्टर थे। छोटा एक मिनट को हतप्रभ रह गया, फिर शायद समझ गया और बाहर दौड़ा। ओंकार आवाजें सुन कर अंदर भागते हुए रास्ते में छोटे से टकरा गए। पूँछा, क्या हुआ?

– माँ...

– माँ को क्या...

– ...खा गए तुम उन्हें... और क्या...

लड़का आँखें लाल किए बाहर चला गया। ओंकार सन्न रह गए। एकदम जड़। अंदर गए तो डॉक्टर लड़के ने कहा, ये तो गईं।

लक्ष्मी आने के दिन लक्ष्मी गई!

ये ओंकार के लिए एक साथ दोहरा और सबसे गहरा आघात था – पत्नी का जाना और अपनी ही औलाद से प्रताड़ित होना कि 'खा गए तुम उन्हें'! लेकिन ये उनके लिए पाँचवाँ/छटवाँ आघात था। माँ की मृत्यु, पिता की मृत्यु, गाँव की जमीनों का बिक जाना, पत्नी का नौकरी कर के घर चलाना... अब उस सब के ऊपर ये! ओंकार एकदम चुप हो गए। एकदम खामोश। सिर्फ सुबह घूमने चले जाते थे, बस।

दसवाँ हुआ। तेरहवीं हुई। चौदहवें दिन ओंकार जब घूमने गए तो दोपहर हो गई, शाम हो गई, रात हो गई – वापस ही नहीं आए। ढुँढ़वा पड़ा। कहीं मिले ही नहीं। पौर के तख्त के पास एक मेज पर कुछ कागज एक पत्थर से दबे रखे थे। दूसरे दिन वे देखे गए। उनमें ओंकार ने जायदाद और बैंक इत्यादि के सारे पेपर्स लड़कों के नाम कर दिए थे।

वे इस बार गए, तो गए!

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

मन एव मनुष्याणां

'मेरे शुरुआती दिनों में उसने मेरे साथ बुरा किया था। अब मेरा समय है। ऐसी हालत की है कि ज़िंदगी भर याद रखेगा।'...'मेरी सास ने मुझे बहुत हैरान–परेशान किया था। बहुत दुखी रही मैं। अब घर मेरे मुताबिक चलता है। एकदम सीधा कर दिया है मैंने।'...'उसने दो बात कही तो मैंने भी चार सुना दीं।'...आदि–आदि। सामान्य जीवन में असंख्य बार प्रयुक्त होते हैं ऐसे वाक्य। यद्यपि पात्र और परिस्थिति के अनुरूप हर बार प्रतिक्रिया भिन्न हो सकती है पर मनुष्य के मूल में मनन न हो तो मनुष्यता को लेकर चिंता का कारण बनता है। मनुष्यता का सम्बंध मन में उठनेवाले भावों से है। मन के भाव ही बंधन या मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं। कहा गया है,

मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः

अर्थात मन ही सभी मनुष्यों के बन्धन एवं मोक्ष का प्रमुख कारण है।

वस्तुत: भीतर ही बसा है मोक्ष का एक संस्करण, उसे पाने के लिए, उसमें समाने के लिए मन को मनुष्यता में रमाये रखो। मनुष्यता, मनुष्य का प्रकृतिगत लक्षण है।प्रकृतिगत की रक्षा करना मनुष्य का स्वभाव होना चाहिए।

एक साधु नदी किनारे स्नान कर रहे थे। डुबकी लगाकर ज्यों ही सिर बाहर निकाला, देखते हैं कि एक बिच्छू बहे जा रहा है। साधु ने समय लगाये बिना अपनी हथेली पर बिच्छू को लेकर जल से निकालकर भूमि की ओर फेंकने का प्रयास किया। फेंकना तो दूर जैसे ही उन्होंने बिच्छू को स्पर्श किया, बिच्छू ने डंक मारा। साधु वेदना से बिलबिला गये, हथेली थर्रा गई, बिच्छू फिर पानी में बहने लगा। अपनी वेदना पर उन्होंने बिच्छू के जीवन को प्रधानता दी। पुनश्च बिच्छू को हथेली पर उठाया और क्षणांश में ही फिर डंक भोगा। बिच्छू फिर पानी में।...तीसरी बार प्रयास किया, परिणाम वही ढाक के तीन पात। किनारे पर स्नान कर रहा एक व्यक्ति बड़ी देर से घटना का अवलोकन कर रहा था। वह साधु से बोला, महाराज! क्यों इस पातकी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। आप बचाते हैं और यह काटता है। इस दुष्ट का तो स्वभाव ही डंक मारना है। साधु उन्मुक्त हँसे, फिर बोले, यह बिच्छू होकर अपना स्वभाव नहीं छोड़ सकता तो मैं मनुष्य होकर अपना स्वभाव कैसे छोड़ दूँ?... लाओत्से का कथन है, मैं अच्छे के लिए अच्छा हूँ, मैं बुरे के लिए भी अच्छा हूँ। यही मनुष्यता का स्वभाव है। मनन कीजिएगा क्योंकि 'मन एव मनुष्याणां...।'

बोध कथा

अकबर का साला

अकबर का साला हमेशा से ही बीरबल की जगह लेना चाहता था। अकबर जानते थे कि बीरबल की जगह ले सके ऐसा बुद्धिमान इस संसार में कोई नहीं है। फिर भी जोरू के भाई को वह सीधी 'ना' नहीं बोल सकते थे। ऐसा कर के वह अपनी लाडली बेगम की बेरुखी मोल नहीं लेना चाहते थे। इसीलिए उन्होने अपने साले साहब को एक कोयले से भरी बोरी दे दी और कहा कि– जाओ और इसे हमारे राज्य के सबसे मक्कार और लालची सेठ सेठ दमड़ीलाल को बेचकर दिखाओ , अगर तुम यह काम कर गए तो तुम्हें बीरबल की जगह वज़ीर बना दूंगा। अकबर की इस अजीब शर्त को सुन कर साला अचंभे में पड़ गया। वह कोयले की बोरी ले कर चला तो गया। पर उसे पता था कि वह सेठ किसी की बातो में नहीं आने वाला ऊपर से वह उल्टा उसे ही चूना लगा देगा। हुआ भी यही सेठ दमड़ीलाल ने कोयले की बोरी के बदले एक ढेला भी देने से इनकार कर दिया। साला अपना सा मुंह लेकर महल वापस लौट आया और अपनी हार स्वीकार कर ली. अब अकबर ने वही काम बीरबल को करने को कहा। बीरबल कुछ सोचे और फिर बोले कि सेठ दमड़ीलाल जैसे मक्कार और लालची सेठ को यह कोयले की बोरी क्या मैं सिर्फ कोयले का एक टुकड़ा ही दस हज़ार रूपये में बेच आऊंगा। यह बोल कर वह तुरंत वहाँ से रवाना हो गए।

सबसे पहले उसने एक दरज़ी के पास जा कर एक मखमली कुर्ता सिलवाया। हीरे–मोती वाली मालाएँ गले में डाली। महंगी जूती पहनी और कोयले को बारीक सुरमे जैसा पिसवा लिया। फिर उसने पिसे कोयले को एक सुरमे की छोटी चमकदार डिब्बी में भर लिया। इसके बाद बीरबल ने अपना भेष बदल लिया और एक मेहमानघर में रुक कर इश्तिहार दे दिया कि बगदाद से बड़े शेख आए हैं। जो करिश्माई सुरमा बेचते हैं। जिसे आँखों में लगाने से मरे हुए पूर्वज दिख जाते हैं और यदि उन्होंने कहीं कोई धन गाड़ा है तो उसका पता बताते हैं। यह बात शहर में आग की तरह फ़ैली।

सेठ दमड़ीलाल को भी ये बात पता चली। उसने सोचा ज़रूर उसके पूर्वजों ने कहीं न कहीं धन गाड़ा होगा। उसने तुरंत शेख बने बीरबल से सम्पर्क किया और सुरमे की डिब्बी खरीदने की पेशकश की। शेख ने डिब्बी के 20 हज़ार रुपये मांगे और मोल–भाव करते–करते 10 हज़ार में बात तय हुई। पर सेठ भी होशियार था, उसने कहा मैं अभी तुरंत ये सुरमा लगाऊंगा और अगर मुझे मेरे पूर्वज नहीं दिखे तो मैं पैसे वापस ले लूँगा। बीरबल बोला, बिलकुल आप ऐसा कर सकते हैं, चलिए शहर के चौराहे पर चलिए और वहां इसे जांच लीजिये। सुरमे का चमत्कार देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हो गयी।

तब बीरबल ने ऊँची आवाज़ में कहा, ये सेठ अभी ये चमत्कारी सुरमा लगायेंगे और अगर ये उन्ही की औलाद हैं जिन्हें ये अपना माँ–बाप समझते हैं तो इन्हें इनके पूर्वज दिखाई देंगे और गड़े धन के बारे में बताएँगे। लेकिन अगर आपके माँ–बाप में से किसी ने भी बेईमानी की होगी और आप उनकी असल औलाद नहीं होंगे तो आपको कुछ भी नहीं दिखेगा। और ऐसा कहते ही बीरबल ने सेठ की आँखों में सुरमा लगा दिया। फिर क्या था, सिर खुजाते हुए सेठ ने आँखें खोली। अब दिखना तो कुछ था नहीं, पर सेठ करे भी तो क्या करे! अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए सेठ ने दस हज़ार बीरबल के हाथ थमा दिये। और मुंह फुलाते हुए आगे बढ़ गए। बीरबल फ़ौरन अकबर के पास पहुंचे और रुपये थमाते हुए सारी कहानी सुना दी। अकबर का साला बिना कुछ कहे अपने घर लौट गया। और अकबर–बीरबल एक दूसरे को देख कर मंद–मंद मुसकाने लगे। इस किस्से के बाद फिर कभी अकबर के साले ने बीरबल का स्थान नहीं मांगा।

वीर गाथा

मेजर आशीष धौंचक : जांबाज का बलिदान, नहीं भूलेगा हिंदुस्तान

मेजर आशीष धौंचक का जन्म 23 अक्टूबर, 1987 को हरियाणा के पानीपत जिले के बिंझौल गांव में हुआ था। माता कमला देवी और पिता लालचंद के बेटे आशीष बहुत मेधावी विद्यार्थी थे। उन्होंने बीटेक की डिग्री ली थी। इसके बाद सीडीएस परीक्षा पास कर सेना में भर्ती हो गए थे। आशीष साल 2012 में लेफ्टिनेंट बने थे। उन्हें सेना की 15 सिक्ख लाइट इन्फैंट्री बटालियन में शामिल किया गया था। उन्हें साल 2018 में पदोन्नति देकर मेजर बनाया गया था। इसके बाद, साल 2021 में 19 आरआर बटालियन में भेजकर जम्मू–कश्मीर में तैनात किया गया था।

मेजर आशीष साल 2023 में जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में तैनात थे। उनकी यूनिट को आतंकवादियों का खात्मा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वहां जवानों को हमेशा सतर्क रहना होता था।

आशीष ने कई अभियानों में पराक्रम दिखाया, जिसके लिए उन्हें 'सेना पदक' से सम्मानित किया गया था। 12 सितंबर, 2023 को सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि अनंतनाग ज़िले के कोकरनाग के गडूल गांव के पास घने जंगलों में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद अभियान शुरू किया गया। देर रात 19 आरआर और जम्मू–कश्मीर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने घेराबंदी शुरू की थी।

जब आतंकवादियों ने खुद को घिरते देखा तो वे घबराकर भागने लगे। जवानों ने उन पर गोलीबारी की। इसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई।

इस दौरान आशीष को गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने मुकाबला जारी रखा और देश के लिए बलिदान हो गए। मेजर आशीष धौंचक एक वीर सैनिक और अपने जवानों का बहुत ख़याल रखने वाले अधिकारी थे। उन्होंने सैन्य अभियान में अत्यंत उच्च कोटि का साहस दिखाया था। भारत मां के ऐसे वीर बलिदानी को नमन है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय वायुसेना ने दागे 50 से भी कम अस्त्र, इसी में पाकिस्तान हो गया संघर्ष रोकने को मजबूर : तिवारी

नई दिल्ली/भाषा। एअर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना द्वारा सावधानीपूर्वक चुने गए पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर 50 से भी कम अस्त्र दागे गए और इसी में 10 मई की दोपहर तक इस्लामाबाद को संघर्ष रोकने का अनुरोध करना पड़ा। वायुसेना उप प्रमुख ने मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि नौ और दस मई की मध्य रात्रि पाकिस्तान के हमले के बाद किए गए हमलों के साथ भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी सेना पर ''पूर्ण प्रभुत्व'' हासिल करने में सक्षम रही। तिवारी ने 'एनडीटीवी डिफेंस समिट' में कहा, मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी कि 50 से भी कम अस्त्रों में हम पूर्ण प्रभुत्व हासिल करने में सक्षम रहे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। 'ऑपरेशन सिंदूर' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी ने कहा कि मिशन के दौरान जिन पाकिस्तानी ठिकानों को नष्ट किया गया, उनमें से कुछ ऐसे थे जो 1971 के युद्ध के दौरान भी नष्ट नहीं हुए थे। उन्होंने कहा, हमने हर अस्त्र का इस्तेमाल किया और इससे हमारे योजनाकारों तथा मिशन को अंजाम देने वाले लोगों की क्षमता का पता चलता है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। दोनों देशों के बीच चार दिन तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। वायुसेना उप प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित घटनाक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया का भी विस्तृत ब्योरा दिया। एअर मार्शल तिवारी ने कहा कि भारत सात मई को तड़के पाकिस्तानी आतंकी ढांचे पर हमला करने के बाद स्थिति को और बिगाड़ने का इच्छुक नहीं था।

स्वागत

शनिवार को जापान के सेंडाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर उत्साही भीड़ द्वारा जयघोष के साथ उनका स्वागत किया गया।

लेखा परीक्षकों (सीए) का सम्मेलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आईसीएआई के एसआईआरसी की बेंगलूरु शाखा द्वारा आयोजित 20वां कर्नाटक 'राज्य सीए सम्मेलन' पैलेस ग्राउन्ड के प्रिंसेस श्राइन पैलेस संपन्न हुआ। आईसीएआई (चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान) का 20वां कर्नाटक राज्य सीए सम्मेलन बेंगलूरु में एक मील का पत्थर है। दो दिवसीय ज्ञान उत्सव, जिसमें 2,000 से अधिक वित्तीय पेशेवर, उद्योग के नेता, शिक्षाविद और विचारक एक साथ आए, ने सीए बिरादरी की भावना और बौद्धिक शक्ति पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में सीएआई के अध्यक्ष सीए चरणजोत सिंह नंदा, सीएआई के अध्यक्ष प्रसन्ना कुमार, सीए के उपाध्यक्ष मंजूनाथ एम. हल्लूर, एसआईआरसी बेंगलूरु के अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष सीए बीपी राव और सीए के. रघु और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्य अतिथि केरूप में उपस्थित कर्नाटक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री दिनेश गुंडू राव ने 20वें कर्नाटक राज्य स्तरीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) सम्मेलन में भाग लेना अपने सौभाग्य की बात कही। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स भारत की आर्थिक मजबूती की रीढ़ हैं, जो वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और नैतिक मानकों को बनाए रखते हैं, जिससे हमारे देश को वैश्विक सम्मान मिला है। जैसे-जैसे हम विकास की ओर अग्रसर होते हैं, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रणालियाँ सरल, निष्पक्ष और समावेशी हों, और आप जैसे पेशेवरों पर सुधारों का नेतृत्व करने का भरोसा किया जाए। साथ ही, मैं स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर ज़ोर देना चाहूँगा। भारत ने चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ बढ़ रही हैं और स्वस्थ आदतों के माध्यम से रोकथाम महत्वपूर्ण है। मैं आपसे इस संबंध में उदाहरण प्रस्तुत करने का आग्रह करता हूँ, क्योंकि एक स्वस्थ पेशेवर न केवल अपने परिवारों के लिए, बल्कि राष्ट्र के लिए भी एक संपत्ति है। उन्होंने लेखा परीक्षकों के योगदान की सराहना की। संख्याओं से परे, आप राष्ट्र निर्माण में भागीदार हैं। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के उपाध्यक्ष महर्षि प्रशांत कुमार ने दो दिवसीय ऊर्जावान चर्चाओं का मंच तैयार किया।

आयकर अधिनियम के अंतर्गत खोज और प्रतिबंध निर्धारण, डेटा गोपनीयता चुनौतियाँ, जीएसटी अपीलें और वैधानिक लेखा परीक्षा उत्कृष्टता जैसे विषयों पर, इस सम्मेलन ने उभरते वित्तीय और नियामक परिदृश्य पर अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान की। मुख्य वक्ता के रूप में सचिन कुमार बी.पी., सीए. प्रशांत जी.एस., डॉ. कोटरास्वामी मारेगौद्रा (आईआरएस), मनोज बंग , और सीए कमल गर्ग (नई दिल्ली) ने अपनी विशेषज्ञता साझा करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरे दिन की शुरुआत गवी मठ, कोप्पल के पूज्यश्री गविसिद्धेश्वर महास्वामीजी के आध्यात्मिक प्रवचन से हुई, जिसके बाद आईसीएआई के अध्यक्ष सीए चरणजोत सिंह नंदा ने विकसित भारत में सीए पेशे के भविष्य पर एक प्रेरक भाषण दिया, साथ ही पूर्व अध्यक्ष सीए बीपी राव और सीए के. रघु ने अपने विचार व्यक्त किए।

पूर्व डीजीपी हत्याकांड

पत्नी की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाई गई; मुफ्त कानूनी सहायता मिलेगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या से जुड़े मामले में बेंगलूरु की एक सत्र अदालत ने उनकी (ओम प्रकाश) पत्नी पल्लवी की न्यायिक हिरासत की अवधि सुनवाई की अगली तारीख तक बढ़ा दी, जो 12 सितंबर 2025 को निर्धारित है। इसके साथ ही अदालत ने पल्लवी को मुफ्त कानूनी सहायता मुहैया कराने की व्यवस्था की। शुक्रवार को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पल्लवी की पेशी के दौरान अदालत को सूचित किया गया कि उसके पास कोई वकील नहीं है। इस संबंध में पूछे जाने पर पल्लवी ने अदालत को बताया कि वह वकील का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं है। इसके बाद अदालत ने पल्लवी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से कानूनी सहायता मुहैया कराने की पेशकश की, जिस पर उसने हामी भर दी। अदालत ने डीएलएसए को एक वकील नियुक्त करने का निर्देश दिया, जो पल्लवी को मामले की कार्यवाही से वाकिफ रखेगा और संबंधित घटनाक्रमों पर उससे परामर्श करेगा।

दूसरी ओर, शिकायतकर्ता के वकील विनय कुमार सिंह ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 338(2) के तहत एक अर्जी दाखिल की, जिसमें उन्हें मामले में अभियोजन पक्ष की मदद करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने सिंह की याचिका स्वीकार कर ली, जिससे उन्हें मुकदमे के दौरान विशेष लोक अभियोजक के साथ काम करने का अधिकार मिल गया।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी ओम प्रकाश 20 अप्रैल को बेंगलूरु में एचएसआर लेआउट स्थित अपने आवास पर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। ओम प्रकाश के बेटे कार्तिकेश की शिकायत पर उनकी (ओम प्रकाश की) पत्नी को उनकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था।

प्रदर्शन

बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लखनऊ में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अब दर्शकों का इंतजार हुआ खत्म क्योंकि बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के मेकर्स ने शुक्रवार को टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें कॉमेडी और रोमांस का जबरदस्त तड़का देखने को मिल रहा है। धर्मा प्रोडक्सन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर टीजर रिलीज किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, चार लोग, दो दिल तोड़ने वाले, एक शादी। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का टीजर रिलीज हो गया है। यह 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 1 मिनट के टीजर की शुरुआत वरुण धवन के मस्ती भरे अंदाज से होती है, जहां वह बाहुबली अवतार में नजर आते हैं। वरुण मजेदार अंदाज में पूछते हैं, मैं बाहुबली लग रहा हूं ना? जवाब में एक किरदार कहता है, रणवीर सिंह की धोती में प्रभास का पौधा लग रहा है!

इसके बाद पुराना बॉलीवुड गाना 'तुझे लागे ना नजरियां' की धुन बजती है, और रोहित सराफ स्टाइल में हेलिकॉप्टर से उतरते हैं। टीजर में जान्हवी कपूर और अन्य किरदारों की झलक भी दिखाई गई है, जो कहानी में ट्विस्ट लाता है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर दिखती है और टीजर का अंत होता है।

फिल्म शानदार रोमांस और हंसी का वादा करती है। टीजर देखकर साफ है कि यह फिल्म दर्शकों को हंसी, प्यार और मनोरंजन का जबरदस्त डोज देगी। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म में जान्हवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म 'बवाल' में साथ काम किया था। बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं, लेकिन अब ये 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' अब बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: अ लीजेंड – चैप्टर 1' और हर्षवर्धन राणे की अभिनीत फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' से टक्कर लेगी।

'तुम सिर्फ दोस्त नहीं, परिवार हो': शिवांगी जोशी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर और चहेती एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपनी बेहद करीबी दोस्त, एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर के 24वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिए एक खास तोहफा दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत पोस्ट साझा किया, जिसमें दोनों की साथ में बिताए गए पलों की झलक दिखती है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई पोस्ट में एक प्यारी सी फोटो के साथ-साथ कई वीडियो भी हैं, जिनमें शिवांगी और जन्नत एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करती, मस्ती करती और बेहतरीन पल गुजारती नजर आ रही हैं। इन वीडियो क्लिप्स में कभी वह ट्रैवलिंग करती दिख रही है, तो कभी डांस करती हुई नजर आ रही हैं। शिवांगी जोशी ने इस पोस्ट के साथ दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, ''जन्मदिन मुबारक हो मेरी जान... तुम सिर्फ मेरी सबसे अच्छी दोस्त नहीं हो, तुम मेरा परिवार हो। मेरी सुरक्षित जगह, मेरी साथी, जिंदगी भर साथ रहने वाली इंसान हो।'' शिवांगी ने आगे कहा कि उनके बीच की समझदारी इतनी गहरी है कि बिना कुछ कहे भी एक-दूसरे को समझ जाती हैं। उन्होंने लिखा कि जन्नत के साथ जीवन और भी खूबसूरत और गर्मजोशी भरा लगता है। उसके साथ जो सफर तय किया है, और जो छोटी-छोटी यादें उन्होंने साथ में बनाई हैं, वो उनके दिल के बेहद करीब हैं। उन्होंने कहा, ''तुम वही इंसान हो जिसके साथ मैं पूरी तरह खुद बन सकती हूं... हंसी में, आंसुओं में, खामोशी में, और उथल-पुथल में और फिर भी सब कुछ बिल्कुल सही लगता है, क्योंकि वो 'हम' होते हैं। मैं तुमसे बेइंतहा प्यार करती हूं, पूरे दिल से और हमेशा तुम्हारे साथ और तुम्हारे लिए रहूंगी, चाहे जिंदगी में कुछ भी आए।'' इसके बाद शिवांगी ने जन्नत को धन्यवाद दिया, उसके प्यार, देखभाल, पागलपन, गर्मजोशी और सुकून के लिए, जो उसने शिवांगी की जिंदगी में भरा है। इस पोस्ट के आखिर में शिवांगी ने जन्नत को ढेर सारी दुआएं और शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ''तुम्हारे इस खास दिन पर, मैं बस यही दुआ करती हूं कि तुम्हें दुनिया की सारी खुशियां मिलें, तुम्हें ढेर सारा प्यार मिले, और जिंदगी की सारी अच्छी चीजें तुम्हारे कदम चूमें।

तारा सुतारिया पर छाया उत्सव का खुमार

मुंबई/एजेन्सी

छोटे पर्दे से मनोरंजन जगत में कदम रखने वाली स्टार तारा सुतारिया ने शनिवार को कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें से चार में वो अकेली हैं, तो पांचवीं में उनके साथ वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। ये दोनों के रिश्ते पर मुहर लगाती हैं, जिनकी चर्चा फिजाओं में महीनों से थी। दरअसल, इन तस्वीरों में चार चांद वो शब्द लगा रहे हैं जो तारा ने लिखे हैं। उन्होंने बेहद सामान्य भाषा में लिखा है- भक्ति, विश्वास और उत्सव...गणपति बप्पा मोरया। तस्वीरों की पूरी शृंखला बेहद आकर्षक है। पहली चार में तो छोटी बिंदी और साड़ी पहने अभिनेत्री दिख रही हैं, लेकिन पांचवीं में उनके साथ खास दोस्त वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। वो भी ट्रेडिशनल वियर में हैं। तारा की यह पोस्ट प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रही है। वे इसमें कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये लड़की अपनी लुक्स से कभी निराश नहीं करती, तो दूसरे यूजर ने लिखा, सुंदरी, एक और यूजर ने लिखा, कोई भी आपसे ज्यादा सुंदर नहीं है। वीर भी खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पाए और उन्होंने लाल दिल पेश कर दिया। इसके साथ ही इविल आई इमोजी भी पोस्ट किया, जिसका मतलब साफ है कि वो नहीं चाहते कि उनकी जोड़ी को किसी की बुरी नजर लगे। फैंस इस जोड़े की बलाएं लेते दिख रहे हैं। कुछ ने लिखा, 'पांचवीं तस्वीर में सब कुछ है।' तो किसी ने लिखा, 'तारा और वीर'। अभिनेत्री ने गायिका और टेलीविजन कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वह साल 2010 में डिज्नी चैनल के शो 'बिग बडा बूम' में नजर आईं थी। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' (2019) से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा, जिसके लिए फिल्मफेयर ने उन्हें बेस्ट डेब्युटेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 2', और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है और 'अपूर्वा' (2023) में टाइटल रोल अदा किया।

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ की गणपति की आरती

मुंबई/एजेन्सी

पूरे देश में इन दिनों गणेश उत्सव की धूम है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इस त्योहार को धूमधाम से मना रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने अपने पति जहीर इकबाल संग गणपति बप्पा की आरती की। इसका एक प्यारा वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो गणेश जी की आरती गाती हुई दिखाई दे रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने इसे शेयर करते हुए लिखा, ॐ गं गणपतये नमः। आप सबको गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, बप्पा हम सबको शांति, प्रेम और धैर्य प्रदान करें। यह वीडियो अर्पिता खान शर्मा के घर का है।

इस साल यह उत्सव उनके घर पर आयोजित किया गया, जहां सलमान ने गणपति बप्पा का स्वागत किया था। इस दौरान सलमान खान सहित उनके परिवार वालों ने गणपति जी की आरती की। इसका एक वीडियो वीरवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें सलमान खान, उनके पिता सलीम खान, भाई अरबाज आदि आरती करते दिख रहे थे। यही नहीं, एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस वीडियो में फूलों से सजी गणपति की मूर्ति बहुत ही सुंदर लग रही थी।

यहीं पर सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इबाल भी गए थे। दोनों के खान परिवार से अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए यह कपल सलमान खान और उनके परिवार के हर कार्यक्रम में दिखाई दे जाता है। इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर रोड ट्रिप का एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में जहीर इकबाल गाड़ी चलाते दिख रहे थे और सोनाक्षी के साथ मिलकर मशहूर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का गाना 'हो गया है तुझको तो प्यार सजना' पर मजेदार रील बनाते दिखे थे। सोनाक्षी ने इस वीडियो को कैप्शन दिया, रोड ट्रिप गोल्स! बाकी वीडियो देखने के लिए यूट्यूब पर जाएं।

सोनाक्षी और जहीर की पहली मुलाकात साल 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी, लेकिन दोनों 2017 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' की स्क्रीनिंग पार्टी के दौरान करीब आए। उस दिन दोनों ने घंटों बात की और यहीं से उनकी दोस्ती प्यार में बदली। 7 साल तक रिलेशन के बाद दोनों ने 23 जून 2024 को मुंबई में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल थे।

जैकलीन फर्नांडिस ने 'लालबागचा राजा' के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

गणेश चतुर्थी का पावन पर्व पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र में इस त्योहार का जोश ज्यादा देखने को मिलता है। हर साल की तरह इस बार भी मुंबई के प्रसिद्ध 'लालबागचा राजा' के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

इस बीच, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने भी लालबाग का राजा के दर्शन किए, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया। श्रीलंका की रहने वाली अभिनेत्री लालबागचा राजा के दर्शन करती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने पीच रंग के खूबसूरत लहंगे के साथ हरे रंग की चोली पहनी है, जिसके साथ हरे रंग की चुनरी ने उनके लुक को और आकर्षक बनाया। मिनिमल मेकअप के साथ उनकी सादगी और भक्ति भाव प्रशंसकों के दिल को छू रहा है। जैकलीन ने वीडियो के बैकग्राउंड में मराठी आरती 'सुखकर्ता दुख हरता' ऐड किया है।

इस दौरान जैकलीन ने भगवान गणेश को मोदक चढ़ाया और पूजा भी की। वहीं, उनके साथ अभिनेत्री अवनीत कौर नजर आ रही हैं। जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, हर दर्शन हमें धैर्य, प्रेम और चमत्कार की याद दिलाता है। गणपति बप्पा मोरया! उनके इस पोस्ट ने यूजर्स का दिल जीत लिया। वहीं, कई यूजर्स उन्हें 'गणपति बप्पा मोरया' और 'ओम गण गण गणपतये नमः' लिख रहे हैं, तो कई 'हार्ट इमोजी' भेज रहे हैं।

लालबाग के राजा की भव्य मूर्ति और वहां का भक्ति भरा माहौल हर साल लाखों लोगों को आकर्षित करता है। गणेश चतुर्थी का यह उत्सव 10 दिनों तक चलता है,

जिसमें भक्त गणपति की पूजा-अर्चना कर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह ह

ाल ही में फिल्म हाउसफुल-5 में नजर आई थी, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कई स्टार्स नजर आए थे। साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनी यह फिल्म 6 जून को रिलीज हुई थी। जैकलीन की अगली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

मंत्रोच्चार, शंखों की ध्वनि से गुंजायमान है बाबा रामदेव का मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित श्री रामदेव मंदिर में 25 अगस्त से शुरू हुए अवतारी बाबा रामदेवजी का 62वां वार्षिक महोत्सव बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ गतिमान है। मंदिर में प्रतिदिन वैदिक विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ बाबा की पूजा आरती की जा रही है। पूरा मंदिर परिसर सुबह से लेकर शाम तक मंत्रोच्चार एवं शंखों की ध्वनि से गुंजायमान है। नौ दिवसीय यह महोत्सव 2 सितबर तक चलेगा।

आयोजन समिति के अध्यक्ष मंगलसिंह एस. राजपुरोहित तथा सचिव सावलदास वैष्णव ने बताया है कि इस वर्ष भी भक्तों की सुविधा और धार्मिक उत्सव को भव्य रूप देने के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में अखंड जागरण का आयोजन भी किया जाएगा महोत्सव का समापन 2 सितंबर को होगा और उसी दिन बाबा का भव्य मेला आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न समाजों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। प्रति वर्ष की भांति इस बार भी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महोत्सव के अंतर्गत चढ़ावे की बोलियां श्री रामदेव भवन ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रेखाराम पटेल व अन्य पदाधिकारियों के निर्देशन में लगाई जाएगी। इस कार्यक्रम को लेकर पूरे इलाके में भक्तिमय माहौल है प्रतिदिन सैकड़ों पुरुष एवं महिलाएं बाबा के दर्शनार्थ मंदिर में आ कर दिव्य आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां श्री आत्म वल्लभ जैन सेवा मंडल द्वारा आयोजित आत्म उद्धारक वर्षीतप के अंतर्गत श्री तमिलनाड जैन महामंडल का सम्मान धर्मनाथ जैन मंदिर में तपस्वियों के बियासना के समय किया गया। यहाँ करीब 350 से ज़्यादा तपस्वी वर्षीतप की तेरह महीने की आराधना कर रहे है। अभी पर्यूषण के पहले चेन्नई के सभी करीब 900 से ज़्यादा वर्षीतप आराधकों का बियासना श्री केसरवाड़ी तीर्थ में आयोजित किया गया। जहाँ सम्पूर्ण व्यवस्था श्री तमिलनाड जैन महामंडल ने की। इस संपूर्ण वर्षीतप के मुख्य सहयोगी कल्याण मित्र संवेगराज परिवार जवाहरमल नागजी चंदन ने लिया है। इस अवसर पर महामंडल से कैलाश कोठारी, ललित खांटेर, मनोज जैन, मदनलाल दंतेवाड़िया, जयंतीलाल आर. शाह, मुकेश श्रीश्रीमाल, संजय जैन, सुशील शाह, ओटमल जैन, चन्द्राबेन के अलावा सुरेश कागरेचा व पंकज जैन उपस्थित थे।

गणेश पंडाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में साहुकारपेट के राजा श्री गणपतिजी के पंडाल में 28 अगस्त को संध्या के समय परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार द्वारा अमृतवाणी का पाठ और श्री गणेश भजन हुए। श्री गणेश पंडाल के महोत्सव के पदाधिकारी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में बालाजी के दीवाने मंडल द्वारा शनिवार को यहां के गणेश मंदिर में मासिक 24वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मण्डल की अध्यक्ष शिलाशाह ने बताया सुबह गणेश वन्दना एवं बाबा की ज्योत के साथ संगीतमय सुन्दरकाण्ड, मीठे-मीठे भजनों की लय में शुरु किया गया। मंडल की पदाधिकारी सुमन गुप्ता, मंजु पारस सहित अनेक सदस्यों और श्रद्धालुओं ने पाठ का आनंद लिया। दोपहर में महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंडल द्वारा प्रत्येक महीने में एक दिन सामूहिक सुन्दरकांड का पाठ किया जा रहा है।

बीजीयू द्वारा गणेशोत्सव में संगीत, नृत्य और भक्ति की बहार

बेंगलूरु। श्री विद्यारण्य युवक संघ (बीजीयू) द्वारा आयोजित बेंगलूरु गणेश उत्सव (बीजीयू) का 63वाँ संस्करण अपने तीसरे दिन शनिवार को एक ऐसे कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ जिसने बसवनगुड़ी को लय, गरिमा और भक्ति से गुंजायमान कर दिया। शाम की आरती के दौरान 200 सदस्यों वाले बीट गुरुओं के समूह द्वारा की गई गड़गड़ाहट भरी प्रार्थना से शुरू हुआ माहौल जल्द ही ऊर्जा और उत्सुकता से भर गया।

आदिनाथ जैन ट्रस्ट ने दिव्यांगों को कृत्रिम अंग बांटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आदिनाथ ट्रस्ट द्वारा आदिनाथ जैन सेवा केंद्र में जरुरतमंद दिव्यांगों को उनकी जरूरत के हिसाब से सहायता सामग्री का वितरण शनिवार को किया गया। इस कार्यक्रम के सहयोग ताराबाई कन्यालाल मूथा परिवार थे। अतिथि के रूप में में लाभार्थी परिवार से ताराबाई मेहता, राजेंद्र सिंघवी, दिनेश रांका, प्रवीण मुथा, प्रसन मुथा, गौतम मुथा, अशोक मुथा, विनोद मुथा एवम हैदराबाद से सुनील पोकरना, यश पोकरना, अनीताबाई आदि रहे। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. मनोज जैन, द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिसमें उन्होंने ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध दिए जानेवाले कृतिम अंगों एवम अन्य उपलब्धियों एवम गतिविधियों के बारे में विशेष जानकारी दी। अतिथियों द्वारा ट्रस्ट के इस कार्य को सराहा गया। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, वॉकिंग स्टीक, कृत्रिम अंग चश्मे आदि अनेक जरूरत की वस्तुएं बांटी गई। महामंत्री ने शाकाहार के फायदे गिनाएं। अतिथियों का सम्मान किया गया। अंत में डॉ.मनोज जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मां दधिमति सेवा धाम में दाधीचि जयंती आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट के दाहिमा भवन में 31 अगस्त को महर्षि श्री राज दधीचि जयंती मां दधिमति सेवा धाम में बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी। इस मौके पर सेवा कार्य भी किए जाएंगे।

सुबह मंदिर में महर्षिराज का अभिषेक होगा। दोपहर में 3 बजे से श्री दधिमति महिला मंडल द्वारा मंगल पाठ का आयोजन किया गया है। महाआरती के उपरांत महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। समाज के

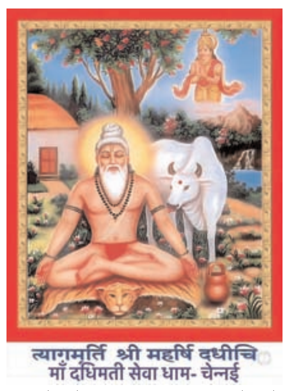

बंधुओं ने सभी धर्मानुरागियों से जयंती में भाग लेने का अनुरोध किया है।

प्राप्त सामग्री का सही उपयोग दूसरों की मदद करने में है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने शनिवार को प्रवचन के दौरान कहा कि आकृति से मानव होना अलग बात है और प्रकृति से मानव होना अलग। प्रकृति से मानव बनने के लिए मानवोचित गुणों को आत्मसात करना जरूरी है। दया, करुणा, सहयोग, सहानुभुति और संवेदनशीलता आदि गुणों से ओतप्रोत व्यक्ति ही सही मायने में मानव कहलाने का हकदार है। जिस व्यक्ति का मन सरल और हृदय कोमल होता है उसका व्यवहार निश्छल और मैत्रीपूर्ण होता है। वे कभी भी किसी के प्रति क्रूर और निष्ठुर नहीं होते। जो व्यक्ति सिर्फ अपने स्वार्थ और मतलब परस्ती के लिए जीता है वह व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी और आदर्श नही बन पाता है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में हमें जो कुछ भी प्राप्त हुआ है वह मद यानि अहंकार के पोषण के लिए नहीं बल्कि दूसरों की मदद करने के लिए प्राप्त हुआ है। जीवन में प्राप्त सामग्री, संपत्ति, शक्ति की सार्थकता दीन दुखियों की सहायता करने में है। दूसरों की मदद करने से तनाव कम होता है मानसिक शांति और आनंद का अनुभव होता है ।

व्यक्ति अपने अस्तित्व यानि आत्मा से जुड़ा हुआ महसूस करता है। जब व्यक्ति दूसरों के दु:ख दर्द के निवारण की दिशा में कुछ करता है तो उसी पल जीवन मे खुशी, प्रसन्नता की शुरूआत हो जाती है। मनुष्य का जीवन कर्तव्य बोध का जीवन है जिस व्यक्ति के भीतर कर्तव्य बोध की चेतना नहीं होती उसके जीवन और पशु के जीवन मे कुछ खास फर्क नहीं रह जाता। जो अपने कर्तव्य पालन के प्रति सजग रहते हैं उन्हें अपना अधिकार स्वत: प्राप्त हो जाता है। उन्हें अपना अधिकार पाने के लिए गिड़गिड़ाने की जरूरत नहीं पड़ती। जो अपने कर्तव्य का निष्ठा पूर्वक पालन करते हैं उन्हीं का धर्म के जगत में प्रवेश संभव है।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इस मौके पर यश बैद, हर्षा पगारिया ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान अंगीकार किये। संघ की ओर तपस्वियों को सम्मानित किया गया। सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

आसक्ति में जीव की दुर्गति है : साध्वी इंदुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में शनिवार को महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री इंदुप्रभाजी ने कहा कि आसक्ति में जीव की दुर्गति है। आम तौर पर व्यक्ति, वस्तु या स्थान पर हमारी आसक्ति रहती है। यह जीव अनंत काल से भव भ्रमण करता हुआ मात्र कर्मों का बोझ बढ़ा रहा है।

इस जीव को बोझ कम करने के अवसर भी बहुत बार मिले परन्तु यह मोह दशा में सोता रहा। मोह क्षय हुए बिना मुक्ति संभव नहीं है। मोह में हम 'स्व' और 'पर' का विवेक खो देते हैं।

अब भी हम यदि शरीर और आत्मा का भेद विज्ञान समझ लें तो आसक्ति को कम कर सकते हैं।

सरलता मे जीना सीखो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में अक्सर ऐसा होता है कि जो हम चाहते हैं वह हमें मिलता नहीं और जो हमें बिल्कुल नहीं चाहिए, वह मिल जाता है। यश की इच्छा रखते हैं, पर नहीं मिलता। क्षमा धारण करना चाहते हैं, लेकिन गुस्सा आ जाता है। शांति का प्रयास करते हैं, मगर झगड़े हो जाते हैं। जिस कार्य के लिए प्रयास करते हैं, वह नहीं हो पाता और जिसका अनुमान तक नहीं होता, वही घटित हो जाता है। उन्होंने कहा कि मित्र बनाना चाहते हैं, पर कभी-कभी बिना मतलब दुश्मन बन जाते हैं। प्रेम की चाह रखते हैं, लेकिन मिलता नहीं और

जो नहीं चाहिए, वही मिल जाता है। भगवान महावीर ने इस स्थिति का समाधान बताते हुए कहा है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि किसी न किसी जन्म में हम कपटी बने होते हैं और उसका परिणाम यही है कि हमारी इच्छाएँ पूरी नहीं हो पातीं। इसीलिए जीवन में सरलता की साधना जरूरी है। जितना अधिक हम सरलता में जीएंगे, उतना ही जीवन सहज और सुखमय बनेगा।

मुनिश्री ने कहा कि आगमकार भी कहते हैं कि सरलता के साथ जीना सीखो। जैसे-जैसे हम सरलता की राह पर चलेंगे, वैसे-वैसे जीवन की जटिलताएँ दूर होती जाएंगी। प्रवचन में उन्होंने परदेशी की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि परदेशी का राजा कपटी, अन्यायी और अत्याचारी था। ऐसे समय में जब केसी श्रमण का आगमन हुआ तो समाज में जागृति आई। मुनिश्री ने आगे कहा कि यदि किसी के दुख में सुख न पहुँचा सको तो कम से कम उसे और दुखी मत करो। यदि कुछ नहीं कर सकते तो मंगल कामना जरूर करनी चाहिए। इंसान मरते दम तक उस व्यक्ति को याद रखता है जिसने उसके बुरे वक्त में साथ दिया हो। इसलिए जीवन का मूल मंत्र यही है कि दूसरों के लिए सहायक बनो। इस अवसर पर किशनलाल खाबिया, गौतमचंद कातारिया, महावीर सिंघवी, गौतमचंद बोहरा सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

आयोजित हुई अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने हेतु अग्रवाल विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया के नेतृत्व में अग्रसेन कॉलेज आफ आर्ट एंड साइंस माधवरम में अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज का 9 दिवसीय अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 21 अगस्त 2025 को किया गया था और 29 अगस्त 2025 शुक्रवार को इसका समापन किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण शिक्षिका सुश्री निशांती ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष गौरव जैन ने अपने भाषण द्वारा सभी प्रतिभागियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप जीतें या हारें, लेकिन किसी भी कीमत पर, खेलने का मौका न छोड़ें, क्योंकि यह वास्तविक व्यक्ति की क्षमता को सामने लाता है। विशिष्ट अतिथि अग्रसेन कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. गोपी ने भी प्रतिभागियों को खेलों के प्रति प्रेरित किया। सभी टीमों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में चेन्नई की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल दूसरे स्थान पर तथा एबेनेजर मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी अतिथियों ने विजेताओं को समूह एवं व्यक्तिगत ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया। शारीरिक प्रशिक्षण विभागाध्यक्ष पी.के. अनिल कुमार ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैष्णव महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की संवाद गोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने 29 अगस्त को श्री वल्लभाचार्य सभागार में तमिलनाडु के एनएसएस पदाधिकारियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और तमिलनाडु सरकार के विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. पल्लवी जैन गोविल को डॉ. सी. सैमुअल चेलिया ने महाबलीपुरम तट मंदिर की मूर्ति भेंट कर और डॉ. अतुल्य मिश्रा को डॉ. बी. आनंदन ने श्रीविल्लीपुथुर अंडाल मंदिर की मीनार की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया।

एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. सी. सैमुअल चेलिया ने स्वागत भाषण दिया। कॉलेज के प्राचार्य, कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने कॉलेज की उपलब्धियों और एनएसएस के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. पी. एन. गुणनिधि द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। यह संवादात्मक कार्यक्रम तमिलनाडु में एनएसएस की भूमिका को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसने स्वयंसेवकों और अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सामुदायिक सेवा, युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक मंच प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में सेवा की सामूहिक भावना और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाने के एनएसएस के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.